डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 28 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

झूठ के सहारे सफलता कभी नहीं मिलती है।
-शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर, शनिवार, 14 से 20 जनवरी 2023

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

(जागो जेडीए जागो)

अधिगम संस्थान ही नहीं पूरा गोपालपुरा बायपास है अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों का अड्डा

अधिगम कोचिंग संस्थान के अलावा ज़ीरो सैटबैक पर सैकड़ों अवैध निर्माण हैं मुख्यमार्ग गोपालपुरा बायपास पर। सरकार व जेडीए को गंभीरता से कार्यवाही करने की आवश्यकता है

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान में सेकेंड ग्रेड टीचर परीक्षा पेपर लीक के मुख्य आरोपी सुरेश ढाका व भूपेंद्र सारण के अधिगम कोचिंग सेंटर पर जेडीए प्रशासन ने अतिक्रमण का हवाला देकर बुलडोज़र चलाने की कार्यवाही को आख़िर गत सप्ताह अंज़ाम दे ही दिया हालांकि दोनों मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। **जयपुर विकास प्राधिकण ने अधिगम कोचिंग गोपालपुरा बायपास की बिल्डिंग को ध्वस्त करने का कारण स्पष्ट किया कि -**

- कोचिंग की बिल्डिंग दो आवासीय प्लॉट को मिलाकर बनाई गई थी।
- जिस कार्नर प्लाट पर कोचिंग सेंटर की बिल्डिंग बनी हुई है उसमें सरकारी जमीन भी दबाई गई है।
- ज़ीरो सेटबैक पर बिल्डिंग का अवैध निर्माण हुआ था।
- वर्तमान में इस बिल्डिंग में अधिगम कोचिंग के नाम से कोचिंग क्लासेज का संचालन किया जा रहा था। जो कि पेपर लीक माफ़ियाओं का कोचिंग संस्थान था।

गुर्जर की थड़ी में सुख विहार स्थित इस कोचिंग इंस्टीट्यूट की बिल्डिंग का जेडीए ने मौका मुआयना कर रिपोर्ट तैयार करने के बाद बिल्डिंग के मालिक और कोचिंग संचालक को नोटिस जारी कर दिया गया। गौरतलब बात यह है कि---

- पेपर लीक मामले के मास्टर माइंड सुरेश ढाका के अधिगम कोचिंग को जेडीए ने बीते शुक्रवार को धारा-32 और 72 के तहत नोटिस जारी कर जवाब मांगा।
- इसमें जेडीए ने बिल्डिंग मालिक को 3 दिन में अवैध निर्माण को हटाने और नोटिस का जवाब देने का समय दिया नोटिस का जवाब नहीं देने और अवैध निर्माण को नहीं हटाने के कारण जेडीए ने बिल्डिंग को अवैध करार देते हुए ध्वस्त कर दिया।
- इसी तरह 67- C रजनी विहार,हीरापुर भूपेंद्र सारण और गोपाल सारण की बिल्डिंग पर जे डी ए द्वारा नोटिस चस्पा किया गया है कि ज़ीरो सेट बैक पर बनी इस बिल्डिंग से सामान इत्यादि हटा लिया जाए और स्वयं ही अवैध हिस्से को तोड़ दिया जाए अन्यथा पश्चात ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी और अंत में जेडीए ने इसे ध्वस्त कर दिया।

अब प्रश्न जेडीए प्रशासन व सरकार से...

- मुख्य आरोपियों को पकड़ने के बजाए किराए की बिल्डिंग गिराकर माहौल बनाकर जनता में क्या संदेश दिया शासन और प्रशासन ने?
- गोपालपुरा बायपास पर बनी सैकड़ों अवैध बिल्डिंग जेडीए को आज तक नज़र क्यों नहीं आईं?
- गोपालपुरा बायपास की हर बिल्डिंग आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी में लिप्त है फिर केवल एक ही बिल्डिंग पर कार्यवाही क्यों की जेडीए ने।
- गोपालपुरा बायपास पर किसी भी बिल्डिंग के पास पार्किंग फेसेलिटी नहीं है फिर आज तक इन बिल्डिंग्स पर जेडीए ने कार्यवाही क्यों नहीं की?
- किसी भी बिल्डिंग के पास फायर एनओसी और पार्किंग नहीं है इस पर सख़्ती से कार्यवाही क्यों नहीं हुई आज तक?
- बैसमेन्ट में चलते कोचिंग संस्थान कैसे मान्य हो रहे हैं गोपालपुरा बायपास पर?
- ट्रैफिक की स्थिति बदतर है कोचिंग संस्थानों के कारण फिर ट्राफ़िक का कोई मैनेजमेंट यहाँ क्यों नहीं है?
- यातायात हमेशा बाधित रहता है क्योंकि हज़ारों बच्चे कोचिंग से छूटते हैं।
- आवासीय मकानों में पीजी और हॉस्टल के साथ-साथ ढाबे,कैफेटेरिया, कमर्शियल दुकानें, शराब की दुकानें, सलून्स चल रहे हैं! यह सब जेडीए को नज़र क्यों नहीं आया आज तक?
- 67-C रजनी विहार हीरापुर में जीरो सेटबैक पर और भी कई इर्द-गिर्द की बिल्डिंगस है जिन पर जे डी ए को कार्यवाही करनी चाहिए।

स्पेशल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट जो कि गोपालपुरा बायपास के डवलपमेंट के नाम पर जनता के साथ धोखाधड़ी है,अवैध बिल्डिंग्स को वैध बनाने की साजिश है। सरकार के राजस्व के साथ खिलवाड़ है। इस पर जेडीए को व सरकार को पुनः विचार करने की आवश्यकता है।

पेपर लीक माफ़िया भूपेंद्र सारण व गोपाल सारण की 67C रजनी विहार,हीरापुरा स्थित निजी बिल्डिंग जिसे जेडीए ने नोटिस दिया और ज़ीरो सेटबैक पर अवैध निर्माण करने के एवज में ध्वस्त कर दिया।

फ्रंटियर कॉलोनी में ज़्यादातर बिल्डिंग बन रहीं हैं अवैध

अवैध निर्माण ज़ीरो सेटबैक परप्लॉट न. 151 फ्रंटियर कॉलोनी, राजापार्क

बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करके बहुमंज़िला बिल्डिंग धड़ाधड़ी से बन रहीं हैं पूरी राजधानी में लेकिन प्रशासन और शासन निष्क्रिय और मौन?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कई बिल्डिंग प्रोजेक्ट फ्रंटियर कॉलोनी, गुरुनानकपुरा, आदर्शनगर राजापार्क, गोपालपुरा बायपास, जगतपुरा और मानसरोवर में बन रहे हैं जिनमें से ज़्यादातर अवैध हैं,बिना अनुमति,बिना नक़्शे अप्रूव्ड के लगातार ये प्रोजेक्ट खड़े हो रहे हैं क्यों? इसी धारा में फ्रंटियर कॉलोनी में लगभग 10-12 बिल्डिंग ज़ीरो सेटबैक के बन रही हैं।

आख़िर यूँ अवैध निर्माण की झाड़ लगाने वाले बिल्डर किसकी शैय पर स्वच्छंदता से अवैध निर्माण कर रहे हैं?

मुख्य प्रोजेक्ट हैं- प्लॉट नं. 9, 151, 186, 206, 208, 236, 237, 698, 700 फ्रंटियर कॉलोनी और प्लॉट नं.272 दशहरा मैदान

राजापार्क की फ्रंटियर कॉलोनी भगतसिंह पार्क के पीछे स्थित है जो अभी 60 से 40 फिट चौड़ी सड़कों पर बसी है। यह शान्त इलाक़ा अब धीरे-धीरे अशांत माहौल की ओर बढ़ रहा है। लगातार बनती अवैध बिल्डिंग्स, सड़क की चौड़ाई लीलते अतिक्रमण इसकी ख़ूबसूरत बनावट को ख़त्म कर रहे हैं। आदर्शनगर में स्थित यह कॉलोनी अभी अपनी बसावट से खुली खुली नज़र आती है लेकिन लगातार बनती बहुमंज़िला बिल्डिंग्स इसे आने वाले एक या दो साल में सकड़ी सड़कों में बदल देगी।

नगर निगम, स्थानीय पार्षद, स्थानीय विधायक, स्थानीय थाना इससे अनभिज्ञ नहीं कि आख़िर क्यों बढ़ रहा है यहाँ अवैध निर्माणों का सिलसिला। राजापार्क ही नहीं राज्य में अवैध निर्माणों की बाढ़ आने का बड़ा कारण क्या है?बिल्डिंग बायलॉज का अस्तित्व क्या है आज के माहौल के हिसाब से। शहर में बढ़ता यह दबाव शहर की शांति भंग करे उससे पहले सरकार के साथ-साथ जागरूक नागरिकों को जागने की आवश्यकता है।

अवैध निर्माण

प्लॉट नं. 237 फ्रंटियर कॉलोनी, राजापार्क

ख़बर-बेख़बर

सर्वानन्द पार्क सहित कई अतिक्रमण और अवैध निर्माणों में लिप्त है वार्ड 94 भाजपा पार्षद घनश्यामदास चंदलानी

आख़िर आदर्शनगर जोन नगर निगम हैरीटेज घनश्यामदास के अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर कार्यवाही क्यों नहीं कर रहा?

प्लॉट न. 25, रामगली नं. 08, न्यू राजापार्क में वार्ड 94 पार्षद घनश्यामदास चंदलानी द्वारा नया अवैध निर्माण शुरू।

प्लॉट नं. 314, शांतिपथ, देवीमाता मंदिर रोड़, राजापार्क

रामगली न.06,प्लॉट न.88,आदर्शनगर,राजापार्क

हिलव्यू समाचार

जयपुर। वार्ड 94 के भाजपा पार्षद घनश्यामदास चंदलानी ने सर्वानन्द पार्क में साईं मंदिर के पास 100x30 पर कब्ज़ा करके अवैध हॉल का निर्माण कर लिया और इसी में एक और एरिया राजनैतिक पार्टी भाजपा का अवैध कार्यालय पूर्व से संचालित कर रहे हैं। पार्क में राजनैतिक गतिविधियाँ, बैठकें और कार्यकलाप कर रहे हैं। राजापार्क,जवाहर नगर, आदर्शनगर में कई अवैध निर्माणों में जेवी,मालिकाना हक़ लेकर पार्षद घनश्यामदास चंदलानी लगातार सरकार को चूना लगा रहे हैं सरकार की आँखों में धूल झौंक रहे हैं,क्या आदर्श नगर,नगर निगम हैरीटेज पर किसी का दबाव है कि वह इन पर कार्यवाही नहीं कर रहा? क्या स्थानीय विधायक रफ़ीक़ ख़ान का सहयोग और सहमति चंदलानी को प्राप्त है? आख़िर शासन-प्रशासन एक पार्षद के सामने क्यों मौन है?

शासन-प्रशासन आख़िर पार्कों पर होने वाले अवैध कब्ज़ों पर शिकंजा क्यों नहीं कस रहा? सुप्रीम कोर्ट की अवमानना करने पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही?

घनश्यामदास चंदलानी के सैकड़ों अवैध प्रोजेक्ट सांठगांठ, पार्टनशिप और स्वयं ऑनरशिप से चल रहे हैं।आदर्शनगर ज़ोन द्वारा अब तक इसके किसी भी अवैध प्रोजेक्ट को टारगेट नहीं किया गया है.....क्यों? आदर्शनगर, राजापार्क, जवाहरनगर में बिना सेटबैक छोड़े, बिना अनुमति, बिना नक़्शे के अप्रूव्ड के घनश्याम दास चंदलानी की अवैध बिल्डिंग धड़ाधड़ बन रही है--जिसमें मुख्य हैं-

- सर्वानन्द पार्क में 100x30 पर कब्ज़ा।
- सर्वानंद पार्क में ही स्थित भाजपा कार्यालय
- प्लॉट न.314,ताज़ाफल वाली रोड़,शांतिपथ,सिंधी कॉलोनी।
- साईंकृपा,जवाहर नगर रोड़ वाली बिल्डिंग पर झूठा शपथ पत्र।
- श्यामपान भंडार,बर्फ़खाने के पास चार अवैध शोरूम।
- रामगली नं. 6, प्लॉट नं. 88, आदर्शनगर, राजापार्क

घनश्यामदास चंदलानी वार्ड 94 में आम जनता के सामने लगातार सरकार को धूल चटा रहे हैं कि शासन-प्रशासन की नाक के नीचे अवैध निर्माण के लगातार संचालन कर रहे हैं लेकिन शासन- प्रशासन ने अब तक कार्यवाही शुरू नहीं की है।

जेडीए व निगम आवासीय इलाकों में व्यवसायिक गतिविधियों को चिन्हित कर करें कार्यवाही : हाईकोर्ट

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। हाईकोर्ट ने जेडीए व नगर निगम को आदेशित किया है कि वे संयुक्त तौर पर कार्यवाही करते हुए 6 सप्ताह में उन आवासीय इमारतों को चिन्हित करें जिसमें व्यवसायिक गतिविधियाँ चल रही हों और वही फिर आवासीय क्षेत्रों में व्यवसायिक गतिविधियाँ रोकने के लिए विधि अनुसार कार्यवाही भी की जाए। सीजे पंकज मित्तल और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश दीपक कुमार शर्मा व अन्य की पीआईएल को निस्तारित करते हुए दिया। अधिवक्ता मनीष कुमार शर्मा ने बताया कि सांगानेर स्टेडियम के पीछे जेम्स विहार कॉलोनी आवासीय इलाका है लेकिन यहाँ पर इमारतों में व्यवसायिक औद्योगिक गतिविधियाँ चल रही हैं जबकि जेडीए व नगर निगम के नियमों के तहत आवासीय क्षेत्र में ऐसी गतिविधियाँ नहीं चल सकतीं। कॉलोनी में यह गतिविधियाँ चलने के कारण वाहनों व अज़नबी लोगों की आवाजाही बनी रहती है। सामाजिक शान्ति भंग होती है।

सम्पादकीय

बनभूलपुरा के साथ खोरी भी याद रहे, हल्द्वानी अतिक्रमण मामले में हिंदू-मुस्लिम एंगल खोजने वालों को धिक्कार

दिल्ली से सटा है फरीदाबाद, जो अरावली वन क्षेत्र से लगा हुआ है। इस वन क्षेत्र में अरावली पहाड़ियों की तलहटी पर बसा था एक गांव खोरी। यह पिछली सदी के नौवें दशक में बसना शुरू हुआ था। धीरे-धीरे इस गांव ने वन क्षेत्र की करीब 80 एकड़ जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया। यह गांव कितना बड़ा था, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि यहां कई उपासना स्थल और स्कूल थे। जिनकी दिलचस्पी इसमें हो कि किस समुदाय के कितने उपासना स्थल थे, वे यह जान लें कि यहां 23 मंदिर, 12 मस्जिद और एक चर्च था।

यह विवरण इसलिए, क्योंकि हल्द्वानी के बनभूलपुरा इलाके में रेल पटरियों के किनारे अवैध तरीके से बसाई गईं बस्तियों को खाली कराने के उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेश पर ऐसा कहने वालों की कमी नहीं कि इन बस्तियों को हटाने की तैयारी इसलिए की गई, क्योंकि यहां रहने वाले अधिकतर मुस्लिम हैं। ऐसा कहने वालों में कई ऐसे भी हैं, जिन्हें सदैव यह शिकायत रहती है कि हर बात में हिंदू-मुस्लिम क्यों किया जाता है?

हां, तो बात हो रही थी खोरी गांव की। इस गांव में करीब दस हजार घर-फ्लैट थे, जिनमें एक लाख से अधिक लोग रह रहे थे। कुछ पर्यावरणप्रेमी वन क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की मांग के साथ सुप्रीम कोर्ट गए। उसने अप्रैल 2020 में अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया, लेकिन हरियाणा सरकार ने इस आदेश का पालन न करने में ही भलाई समझी। शायद

इसलिए, क्योंकि इस गांव के अवैध तरीके से बसने में भू-माफिया के अतिरिक्त विभिन्न सरकारी विभागों का भी योगदान था। इसी कारण इस गांव में बिजली उपलब्ध थी और नगर निकाय टैक्स भी वसूलता था। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया और जून 2021 में छह सप्ताह के अंदर अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया।

कोई और उपाय न देखकर फरीदाबाद प्रशासन खोरी गांव खाली कराने के लिए तैयार हुआ। यह आसान काम नहीं था, क्योंकि लोग धरना-प्रदर्शन पर आमादा थे। इसके बाद भी कोई युक्ति काम नहीं आई, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का साफ कहना था कि जंगल की जमीन पर अवैध कब्जा किसी सूरत में सहन नहीं किया जा सकता और उसे खाली ही करना होगा। सुप्रीम कोर्ट की कड़ाई देखकर फरीदाबाद प्रशासन ने पुलिस तैनात की, बिजली-पानी की आपूर्ति ठप की और फिर बुलडोजर चलाने शुरू किए। कुछ ही दिनों में हजारों लोगों के आशियाने ध्वस्त हो गए और उनकी गाढ़ी कमाई और अपने घर का सपना मिट्टी में मिल गया। लोगों को बेदखल करने की कार्रवाई तब हुई, जब कोविड महामारी का खौफ कायम था।

चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने गांव वालों की यह मांग ठुकरा दी थी कि उन्हें उजाड़ने के पहले उनके रहने की व्यवस्था की जाए, इसलिए उन्हें अपना आशियाना छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने लोगों के पुनर्वास को लेकर फरीदबाद नगर निगम को यह आदेश दिया कि योग्य लोगों को पुनर्वास योजना में शामिल किया जाए। यह योजना आ चुकी है, लेकिन उसके इस वर्ष अप्रैल तक पूरा होने की आशा है। खोरी में हरियाणा के अतिरिक्त अन्य राज्यों के लोगों ने भी अपना घर बनाया था, लेकिन हरियाणा सरकार का कहना था कि वह केवल उन्हीं को घर उपलब्ध कराएगी, जो राज्य के मतदाता हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी ऐसी कई शर्तें लगा दी थीं, जिससे सभी का पुनर्वास संभव नहीं था।

भले ही आज खोरी खबरों से बाहर हो और वहां से बेघर हुए लोगों की सुध न ली जा रही हो, लेकिन एक समय यह गांव समाचारों के केंद्र में था। खोरी से उजाड़े जाने वाले लोगों के प्रति सहानुभूति जताने वालों में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के विशेषज्ञ भी थे। इस मामले में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के विशेषज्ञों के कूदने का कारण यह था, क्योंकि मजदूर आवास संघर्ष समिति के साथ इंटरनेशनल अलायंस आफ इनहैबिटेंट्स ने खोरी के लोगों को बेदखल करने की शिकायत इस संस्था से की थी। भारत सरकार ने इस संस्था के विशेषज्ञों को आईना दिखाते हुए उन्हें अपनी हद में रहने को कहा।

खोरी गांव का वृत्तांत बताना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि हल्द्वानी के बनभूलपुरा मामले में सस्ती राजनीति हो रही है। इस सस्ती राजनीति का एक बड़ा कारण यह है कि जिन लोगों को रेलवे की जमीन से हटाया जाना है, उनमें से ज्यादातर मुस्लिम हैं। प्रश्न है कि अतिक्रमण के विरुद्ध कोई कार्रवाई इस आधार पर होगी क्या कि वहां रहने वाले किस समुदाय के हैं? साफ है कि जिन लोगों ने हल्द्वानी अतिक्रमण मामले में हिंदू-मुस्लिम एंगल खोज निकाला, उन्हें धिक्कार।

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना सही था कि एक सप्ताह में 50 हजार लोगों को नहीं हटाया जा सकता, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने पहली बार नवंबर 2016 में दस हफ्ते के अंदर हल्द्वानी से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। उसने पिछले महीने के आदेश में केवल एक सप्ताह का समय दिया। इसी समय पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रश्न खड़ा किया। इसके साथ ही उसने उत्तराखंड सरकार से यह पूछा कि आपने लोगों के पुनर्वास के लिए क्या किया? यह स्वाभाविक प्रश्न है, लेकिन यह खोरी में नहीं पूछा गया था। सुप्रीम कोर्ट का अंतिम निष्कर्ष कुछ भी हो, लेकिन जंगल और रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण के एक जैसे मामले में अलग-अलग निर्णय नहीं होने चाहिए। अतिक्रमण हटाने के मामले में मानवीय पहलुओं का ध्यान अवश्य रखा जाए, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होना चाहिए, जिससे अवैध कब्जों को बल मिले या फिर एक देश दो विधान वाली अनुभूति हो।

महिलाओं को अपनी साज-सज्जा को लेकर वैसे भी काफी ज्यादा वहम होता है. ऐसे में ड्रेस हो या फिर कोई मैचिंग एसेसरीज, वे सभी पर खूब एक्सपेरिमेंट करती हैं, जिससे वे महफिल में डिफ्रेंट लग सकें. आजकल ईयर रिंग्स इतने अलग-अलग तरीके के चल रहे हैं कि आपका मन कर ही जाता है कि ड्रेस के साथ मैचिंग ईयर रिंग्स खरीद लें. यूं भी ईयर रिंग्स आजकल इतने अधिक ट्रेंड में हैं कि आप हर टाइप के ईयर रिंग्स मार्केट से ले सकती हैं. जानिए कुछ ट्रेंडी ईयर रिंग्स के बारे में...

डायमंड लुक

आजकल आपने देखा होगा कि महिलाएं ऐसे ईयर रिंग्स को पसंद करती हैं जो रियल लुक देते हुए हों. वहीं डायमंड लुक की ज्वेलरी तो वैसे भी काफी पसंद की जाती है. इनमें डिजाइंस की भी भरमार है. इनमें आप एक नग वाले टॉप्स पहनती हैं तो ये और भी एलीगेंट नजर आते हैं. साथ ही गाउन या वन पीस पर डायमंड हैंगिंग ईयर रिंग्स खूब जंचेंगे.

हूप्स का स्टाइल

हूप्स ईयर रिंग्स आमतौर पर किसी भी मेटल के बने हुए सर्कुलर बैंड की तरह होते हैं. यह देखने में एक बिग रिंग की तरह नजर आते हैं व काफी स्टाइलिश लगते हैं. चूंकि यह वजन में काफी हल्के होते हैं, इसलिए इन्हें काफी आसानी से पहना जा सकता है. राउंड हूप्स को और भी स्टाइलिश बनाने के लिए इन दिनों डिफ्रेंट कलर्स व डिजाइन का यूज किया जाने लगा है.

बीड्स ज्वेलरी

बीड्स ईयर रिंग्स तो हमेशा से ही कॉलेज गोइंग गर्ल्स को काफी पसंद आते रहे हैं. वे इन्हें शॉर्ट ड्रेस या फिर जींस-टॉप के साथ भी पहने हुए नजर आती हैं. ये कलरफुल होती हैं जिससे किसी भी ड्रेस पर चल जाती हैं. बीड्स ज्वेलरी में भी आप डिफ्रेंट वैरायटी मार्केट में देख सकते हैं.

एंटीक

यदि आपको एंटीक लुक की ज्वेलरी पसंद है तो आप एंटीक लुक वाले ईयर रिंग्स पहनें. ये काफी हटकर नजर आते हैं. इनमें आप लाइट और हैवी किसी भी तरह के ईयर रिंग्स खरीद सकती हैं. ड्रेस से मैचिंग करते हुए ईयर रिंग्स खरीदें तो बेहतर है. साड़ी पर तो ईयर रिंग्स बेहद आकर्षक नजर आते हैं.

ईयरकफ डिजाइन

ईयरकफ ईयर रिंग्स का एक ऐसा डिजाइन है, जिसे पिछले काफी समय से पसंद किया जाने लगा है. ये ईयर कफ आपको स्टाइलिश लुक देते हैं. मार्केट में व ऑनलाइन भी, ये आपको अलग-अलग शेप, थीम और डिजाइन में मिल जाएंगे. ईयर कफ आपके कान के अधिकतम हिस्से को कवर करते हैं.

कुंदन

जब कभी आपको किसी पार्टी या फंक्शन में जाना होता है तो आपको अपना लुक थोड़ा हैवी दिखाना होता है. ऐसें में आप ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ इस तरह के कुंदन ईयर रिंग्स पहनें. ये आपको हैवी लुक देंगे, साथ ही इन्हें पहनने के बाद आपको गले में कुछ पहनने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी.

गोल्डन

यूं तो गोल्डन ज्वेलरी का मतलब गोल्ड से ही है लेकिन सुरक्षा के चलते गोल्ड पहनने से महिलाएं डरती हैं. ऐसे में आप गोल्ड लुक वाले ईयर रिंग्स खरीद सकती हैं. इनमें इतनी अधिक वैरायटी आती है जो देखते ही बनती है. इनमें टेम्पल ज्वेलरी भी चलन में है जिनमें ईयर रिंग्स बड़े-बड़े होते हैं.

स्टड का अंदाज़

स्टड ईयर रिंग्स आमतौर पर साइज में छोटी होती है, इसलिए इन्हें कई तरह से पहना जा सकता है. आप चाहें तो इसे कैजुअल में ऐसे ही पहनें या फिर एक ब्यूटीफुल नेकपीस के साथ स्टड ईयर रिंग्स को टीमअप करें. यह आपको एक क्लासी लुक देते हैं.

दिल के करीब रहेंगे तो बनी रहेगी बात

अच्छे रिश्ते के लिए जरूरी है समझदारी

सफल रिश्ते के लिए क्या करें जिससे जीवनसाथी के साथ वैवाहिक जीवन सुखद बीते. आप अपने जीवनसाथी पर कितना यकीन कर सकते हैं, वह अपनी बातों पर कितना टिका रहता है, जैसी बातें रिश्ते का भविष्य तय करती हैं. ऑथर रोनाल्ड ऐडलर ऐसे 4 तरह के जुड़ाव का जिक्र करते हैं, जिससे हम स्वयं को जीवनसाथी के साथ जुड़ा हुआ महसूस करते हैं. पहला फिजिकल, दूसरा इमोशनल, तीसरा इंटलेक्चुअल और चौथा शेयर्ड एक्टिविटीज. रिश्ते में सहजता होनी जरूरी है. आप स्वयं सोचिए कि जब आप पार्टनर के साथ होते हैं तो क्या आपका बेटर सेल्फ बाहर आता है? पार्टनर के साथ रहते हुए आप खुद को सहज महसूस कर पाते हैं? यदि ऐसा है, तभी आपका रिश्ता लंबा खिंच सकता है. जॉन गौटमैन ने अपने 20 वर्षों के अध्ययन के बाद निष्कर्ष निकाला कि तलाक की सबसे अहम वजह है एकदूसरे के प्रति सम्मान का अभाव. एकदूसरे का सम्मान करने के बजाय जब मन में नकारात्मक भाव, आलोचनात्मक रवैया और कटाक्ष करने की प्रवृत्ति पैदा होने लगे तो समझ जाएं कि रिश्ते का अंत नजदीक है. कम्युनिकेशन स्टडीज में इसे 'टफ टु ए पर्सन एंड सॉफ्ट ऑन द इशु' कहा जाता है.

आर्थिक फैसलों पर सहमति

एक अध्ययन के मुताबिक वे पति-पत्नी, जो सप्ताह में 1 बार आर्थिक फैसलों पर एकदूसरे के प्रति असहमति दिखाते हैं, के बीच तलाक की संभावना 30% तक बढ़ जाती है.

बहस को बढ़ाएं नहीं

झगड़े हर घर में होते हैं, मगर उन्हें लंबा न खिंचने दें. कुछ लोग झगड़े के दौरान पागलों की तरह चीखते-चिल्लाते हैं. ऐसे में जरूरी बातें गौण हो जाती हैं और दंपति बेमतलब की बातों में उलझते चले जाते हैं. भावनात्मक रूप से उनका रिश्ता बिलकुल जड़ हो जाता है. मन से करीब रहेंगे, तभी समस्या का समाधान होगा तथा आपका रिश्ता पूर्ववत हो जाएगा और आप पूरी तरह साथी को माफ कर पाएंगे.

मुसीबत में साथ

सफल और लंबे रिश्ते के लिए जरूरी है मुसीबत के समय जीवनसाथी के साथ खड़े रहना, उसे अपने कंधों का सहारा देना. आर्थिक चुनौतियां हों या शारीरिक, अच्छे वक्त के साथ-साथ बुरे वक्त में भी एकदूसरे के करीब रहना जरूरी है.

ऐसे बनाएं सुखद जीवन

पति-पत्नी की खुशी में आपसी संबंध महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. 30% से ज्यादा नई शादियों का तलाक में अंत होने लगा है. ऐसे में कई ऐसे कदम हैं, जो तलाक के जोखिम को कम करने, समस्याओं से बचने और सेहतमंद रिश्ता बनाए रखने के लिए उठाए जा सकते हैं -:

- पति-पत्नी के बीच की भावनात्मक विरक्ति की वजह से ब्रेकअप या तलाक होता है. ऐसे में अपने साथी की भावनाओं को अच्छी तरह से समझना, उसके दृष्टिकोण को सुनना और उसे हंसाने की कोशिश करना जरूरी है.
- शोधकर्ताओं ने पाया है कि आपसी बातचीत करने का तरीका समर्पण के स्तर, व्यक्तित्व की विशेषताओं या तनावपूर्ण जिंदगी की घटनाओं से ज्यादा महत्वपूर्ण है. जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि खुशनुमा विवाहित जोड़े तलाक तक जाएंगे या नहीं. खासतौर पर संचार के नकारात्मक तरीकों जैसे कि क्रोध और अपमान को अलग होने की संभावना बढ़ने से जोड़ा जाता है.
- अपने साथी की भावनाओं, पसंद और विचारों की प्रशंसा करनी चाहिए. साथी का सम्मान करना चाहिए. उसके द्वारा किए गए छोटे-छोटे कामों के लिए भी धन्यवाद कहना न भूलें.
- जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे करिअर की चुनौतियां, सेहत के मामले, भविष्य को लेकर चिंताएं आदि. ये समस्याएं अकसर संबंधों को प्रभावित करती हैं. इसलिए पति-पत्नी को पारस्परिक समझदारी और परिपक्वता के साथ इनका सामना करना चाहिए.

बालों की सेहत बिगाड़ती है खराब लाइफस्टाइल

बालों का झड़ना, टूटना और पकना बहुत आम है. यह गलत खान-पान, पोषक तत्वों की कमी और खराब लाइफस्टाइल के कारण होता है. लेकिन कुछ लोगों का सब कुछ सही होने के बाद भी बाल की सेहत खराब रहती है. ऐसे में उन्हें समझ नहीं आता है कि आखिर उनसे बाल की देखरेख में गलती कहां हो रही है. तो आइए जानते हैं कि आखिर आपसे भूल कहां हो रही है?

- नहाने का गलत तरीका भी आपके बालों का झड़ना, टूटना और जल्दी सफेद हो जाने का कारण बनता है. जो लोग ज्यादा गरम पानी से बाल धो लेते हैं, उनके बालों का झड़ना बढ़ जाता है क्योंकि गरम पानी आपके बालों के कूप को खोल देता है. इसलिए गुनगुने पानी से नहाएं.
- नाश्ता न करना भी बालों के झड़ने कारण होता है. दिन की पहली मील को कभी स्किप नहीं करना चाहिए. इसलिए सुबह सोकर उठने के बाद पौष्टिक चीजों का नाश्ता जरूर करना चाहिए.
- वहीं, सुबह में उठने के बाद बालों को खुला छोड़ देना भी उनके टूटने और झड़ने का कारण बनता है. बाल ज्यादा देर तक खुले रहने पर भी वो टूटने लगते हैं.
- बहुत देर तक सोने के कारण भी बालों का झड़ना और टूटना शुरू हो जाता है. इससे शरीर के हार्मोन बहुत प्रभावित होते हैं. इसके अलावा खराब जीवनशैली के कारण भी बालों का झड़ना शुरू हो जाता है. एसे ही कुछ अन्य कारणों से भी बाल झड़ने लगते हैं.

किसी भी नवजात शिशु के लिए सर्दी का मौसम चुनौती भरा होता है. ठंडे माहौल में वायरस और बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं और छोटे बच्चों को बीमार बनाते हैं. सर्द मौसम की ठंडी और शुष्क हवा उनकी त्वचा की नमी छीन सकती है, जिससे उन्हें कई तरह की त्वचा संबंधी परेशानियां हो सकती हैं, इसलिए छोटे बच्चों के लिए त्वचा की देखभाल बहुत जरूरी है.

ठंड से ऐसे लड़ेगा नवजात शिशु

- वैसे तो शिशु को रोज नहलाना जरूरी है, मगर यदि ठंड बहुत ज्यादा है तो आप शिशु को हर दूसरे दिन नहला सकते हैं. गुनगुने पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोंकर उनका शरीर साफ कर दें. मगर इस दौरान यह ध्यान रखें कि शिशु के कपड़े रोजाना दिन में कम से कम 2 बार जरूर बदलें. ज्यादा समय तक एक ही कपड़ा पहनाने से उन्हें त्वचा संक्रमण हो सकता है.
- नहलाने के बाद उनके शरीर की मालिश जरूरी है. बच्चों की मालिश के लिए आप बादाम के तेल, ऑलिव ऑइल या नारियल तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं. इन सभी तेलों में त्वचा को स्वस्थ रखने वाले पोषक तत्व होते हैं. इसके अलावा ये तेल त्वचा को नम रखते हैं. ध्यान रखें, बच्चों की नाजुक त्वचा पर कभी भी बाजार में मिलने वाले केमिकलयुक्त प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल न करें.

- गर्म पानी शिशु की त्वचा के लिए खतरनाक हो सकता है. गर्म पानी ठंडे मौसम में शरीर को अच्छा जरूर लगता है, मगर ये त्वचा की प्राकृतिक नमी को छीन लेता है. इसलिए सादे पानी में थोड़ा सा गर्म पानी मिलाकर, इसके तापमान को सामान्य कर लें, यह बहुत गर्म न हो.
- रोजाना दिन में कम से कम 2 बार शिशु की त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए मॉइश्चराइजर लगाना भी जरूरी है. शिशु के लिए उत्पाद खरीदते समय हमेशा इसके तत्वों को पढ़ लें. आपको बच्चों के लिए हमेशा प्राकृतिक उत्पादों को ही चुनना चाहिए. मॉइश्चराइजर के प्रयोग से त्वचा को नमी मिलती है और रूखेपन से छुटकारा मिलता है. मॉइश्चराइजर हल्के हाथों से लगाएंगे तो त्वचा नरम रहेगी.
- बॉडी मसाज बहुत फायदेमंद है. हल्की धूप में बच्चे को लिटाकर सरसों या किसी अन्य तेल से मालिश की जाए तो बच्चा स्वस्थ रहता है.

खसखस का हलवा

- **सामग्री**- खसखस 1 कप, दूध 1 कप, देसी घी 1/2 कप, बादाम 1 टेबलस्पून, काजू 1 टेबलस्पून, इलायची पाउडर - 3/4 टी स्पून, चीनी 1 कप
- **विधि**- खसखस का टेस्टी हलवा बनाने के लिए सबसे पहले खसखस को साफ करें और उसे रातभर पानी में भिगोकर रख दें. सुबह खसखस को छलनी में डालकर उसका अतिरिक्त पानी निकाल दें. अब भिगोई खसखस को मिक्सर जार में डालें और थोड़ा सा पानी डालकर उसे ग्राइंड कर लें. अब खसखस के तैयार पेस्ट को एक बड़े बर्तन में डालकर अलग रख दें. अब एक कड़ाही में घी डालकर उसे मीडियम आंच पर गर्म करें. जब घी गर्म होकर पिघल जाए तो उसमें खसखस का पेस्ट डालें और तब तक भूनें जब तक कि खसखस का रंग हल्का सुनहरा न हो जाए. खसखस को भूनने के दौरान उसे लगातार चलाते रहें. खसखस को भुनने में 3-4 मिनट का वक्त लगेगा. अब खसखस में दूध डालकर चम्मच की मदद से मिलाएं. इसके बाद इस मिश्रण में स्वादानुसार चीनी मिलाकर पकने दें. खसखस हलवा तब तक पकाएं जब तक कि ये घी न छोड़ने लग जाए. इसके बाद हलवे में कटे हुए ड्राई फ्रूट्स (काजू, बादाम) डालकर मिला दें. इसके बाद हलवे में इलायची पाउडर डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर दें. कुछ देर तक हलवा पकाने के बाद गैस बंद कर दें. स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर खसखस का हलवा बनकर तैयार है. इसे सर्विंग बाउल में डालकर गर्मागर्म परोसें.

TODAY'S रेसिपी

बाजरे की मठरी

- **सामग्री**- बाजरे का आटा, मैदा, हरी मेथी के पत्ते, अजवाइन, नमक स्वाद के मुताबिक, तेल तलने के लिए.
- **विधि**- बाजरे का आटा व मैदा को छान कर उस में नमक, हरी मेथी के पत्ते व अजवाइन को मिला लें. आटे में थोड़े तेल का मौयन डाल कर पानी से सख्त आटा गूंदें. आटे के छोटे छोटे गोले बना कर पतली रोटी बेल कर चाकू से मठरी काट लें. तेल गरम कर कम आंच पर मठरियों को सुनहरा होने तक तलें. ठंडा कर मठरियों को एयर टाइट डब्बों में रखें.

DIET मैजिक

सर्दी में खूब खाएं तिल के लड्डू पूरे साल महसूस करेंगे चंगा

स्वास्थ्य बनाने के लिए सर्दियों का मौसम बहुत अच्छा माना जाता है. सर्दियों में फलों के साथ साथ बहुत सी ऐसी चीजें मिलती हैं जो हमारे शरीर के लिए फायदे मंद रहती है. इसी में एक है तिल. तिल एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जिसमें हजार लाभकारी गुण मौजूद रहते हैं. तिल भले ही देखने में छोटा दिखता है लेकिन इसके लाभ इसके साइज से लाख गुना ज्यादा हैं. सर्दियों में तिल का सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होता है.

- तिल का सेवन सेहत और सौंदर्य के लिए फायदेमंद होता है. सर्दियों में तिलों का सेवन अवश्य करना चाहिए यह शरीर में बल को बढ़ाता है. आयुर्वेद के अनुसार तिलों का सेवन करना शक्तिवर्धक और असरकारी है. तिल दो तरह के होते हैं. एक तो सफेद तिल दूसरा काला तिल. तिल का तेल पूरी दुनिया में प्रमुखता से इस्तेमाल किया जाता है. इसमें न केवल त्वचा और बालों को पोषित करने की खूबी होती है बल्कि हीलिंग क्वालिटी भी होती है.
- यह बात वैज्ञानिक तौर पर साबित हो चुकी है कि तिल के तेल से बालों को संपूर्ण पोषण मिलता है. तिल का तेल हमारे बालों के लिए अमृत का काम करता है. इसमें पर्याप्त मात्रा में विटामिन ई, बी कॉम्प्लेक्स, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन पाया जाता है.
- तिल में सेसमीन नाम का एन्टीऑक्सिडेंट पाया जाता है जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकता है. यही वजह है कि तिल के सेवन से लंग कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर होने की के चांस कम होते हैं.
- तिल के सेवन से भूख भी बढ़ती है. तिल हमारी वात, पित्त और कफ की समस्या को भी खत्म करता है.
- तिल के तेल से लगातार मालिश करने से हड्डियों को मजबूती मिलती है और यह बुढ़ापा भी रोकता है.

एक नज़र

आरयूएचएस की परीक्षा का स्वास्थ्य मंत्री ने जारी किया परिणाम

राजस्थान को मिल सकेंगे 1765 मेडिकल ऑफिसर

हिलव्यू समाचार
जयपुर।प्रदेश को अब जल्द ही 1765 नए मेडिकल ऑफिसर मिलेंगे। इससे प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। आरयूएचएस की ओर से 21 दिसम्बर को ली गई एमओ भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने मंगलवार को मेडिकल ऑफिसर भर्ती का परिणाम जारी किया। मंत्री ने अपने आवास से आरयूएचएस की वेबसाइट पर क्लिक कर परिणाम जारी किया। आरयूएचएस के वाइस चांसलर सुधीर भंडारी ने बताया कि नए चिकित्सकों के भर्ती होने से गांवों के दूर के इलाकों में भी अब डॉक्टर्स उपलब्ध हो सकेंगे। दूर दराज में भी चिकित्सा सेवाएं मलने लगेंगी। आरयूएचएस की वेबसाइट पर अभ्यर्थी अपना परिणाम देख सकते हैं।

9400 मिले थे आवेदन

इस भर्ती परीक्षा के लिए आरयूएचएस को 9400 आवेदन मिले थे। राजस्थान में डॉक्टर्स के करीब 8 हजार पद खाली है। ऐसे में इन पदों को भरने के बाद भी पूरे पद नहीं भरे जा सकेंगे। राजस्थान एमबीबीएस डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से पदों को 4500 किए जाने की मांग की जा रही है। पद बढ़ाने की मांग को लेकर डॉक्टर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को सीएम अशोक गहलोत से मुलाकात भी की थी।

कॉलेजों को 10 वर्ष बाद मिलेंगे योग्य शिक्षक

19 मार्च को होगी सेट, 11 फरवरी तक भरे जाएंगे फॉर्म

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश के निजी कॉलेजों में अब 10 वर्ष बार योग शिक्षक मिल सकेंगे। प्रदेश में कॉलेज व्याख्याता और असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए प्रदेश में 10 वर्ष बाद स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट आयोजित होने जा रहा है। लगातार मांग के बाद आरपीएससी द्वारा गुरु गोविंद सिंह विश्वविद्यालय बांसवाड़ा द्वारा परीक्षा का आयोजन कराया जा रहा है। इसको लेकर यूनिवर्सिटी ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए 19 मार्च तिथि तय की है। परीक्षा के लिए आवेदन 12 जनवरी से 11 फरवरी तक मांगे गए हैं। यह परीक्षा 29 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की पात्रता के लिए आयोजित की जा रही है। इससे पहले सेट का आयोजन 2013 में आरपीएससी द्वारा कराया गया था। गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा द्वारा सेट परीक्षा 2023 का आयोजन संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उत्तीर्ण और अंतिम वर्ष में अध्ययनरत स्टूडेंट्स सेट के लिए आवेदन कर सकते हैं। भूगोल में मास्टर डिग्री वाले अभ्यर्थी भी जनसंख्या अध्ययन विषय के लिए आवेदन कर सकते हैं। गौरतलब है कि आरपीएससी द्वारा 2013 में सेट परीक्षा करवाई गई थी।

इन विषयों की होगी परीक्षा: रासायनिक विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान, , कॉमर्स, गृह विज्ञान, जनसंख्या अध्ययन, कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग, लॉ (कानून), मनोविज्ञान, पृथ्वी विज्ञान, जीवन विज्ञान, लोक प्रशासन, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, राजस्थानी, शिक्षा, गणितीय विज्ञान, संस्कृत, अंग्रेज़ी, संगीत, समाजशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, दर्शन शास्त्र, उर्दू, भूगोल, शारीरिक शिक्षा, चित्रकला, हिंदी और भौतिक विज्ञान विषय की जाएगी।

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन:

संसद के बनाए कानून को अन्य संस्था रद्द करे... प्रजातंत्र के लिए यह उचित नहीं: उपराष्ट्रपति

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान विधानसभा में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 83वें सम्मेलन में बुधवार को पहले दिन विधायिका के कामकाज में न्यायपालिका के बढ़ते दखल पर जोरदार चर्चा हुई। सम्मेलन में मौजूद प्रमुख वक्ताओं ने विचार प्रतिपादित किया कि विधायिका के कामकाज में अदालती दखल का लोकतंत्र के लिए खतरा है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संसद के बनाए कानून को किसी और संस्था द्वारा अमान्य किया जाना प्रजातंत्र के लिए ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के 2015 में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम को निरस्त करने पर कहा कि दुनिया में ऐसा कहीं नहीं हुआ। लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए संसदीय संप्रभुता और स्वायत्तता सर्वोपरि है और कार्यपालिका या न्यायपालिका को इससे समझौता करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। विधायी कार्यों में कोर्ट के हस्तक्षेप पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि संसद कानून बनाती है और सुप्रीम कोर्ट उसे रद्द कर देती है। क्या संसद का बनाया गया कानून तभी कानून होगा जब उस पर कोर्ट की मुहर लगेगी? ऐसे में यह कहना मुश्किल होगा क्या हम लोकतांत्रिक देश हैं। कोई भी संस्था जनादेश को बेअसर करने के लिए शक्ति या अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर सकती है।

यहां विधानसभा में देशभर के विधानसभा अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बुधवार को उपराष्ट्रपति के साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी विधायिका के कार्यों में हस्तक्षेप पर नाराजगी जताई।

संसदीय संप्रभुता को कमजोर करने की अनुमति नहीं

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में संशोधन का संसद का अधिकार क्या किसी और संस्था पर निर्भर कर सकता है? क्या भारत के संविधान में कोई नया 'थिएटर' (संस्था) है, जो कहेगा कि संसद ने जो कानून बनाया उस पर हमारी मुहर लगेगी तभी कानून होगा। 1973 में एक बहुत गलत परंपरा पड़ी, 1973 में केशवानंद भारती के केस में उच्चतम न्यायालय ने मूलभूत ढांचे का विचार रखा कि संसद, संविधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन मूलभूत ढांचे में नहीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कार्यपालिका को संसद से निकलने वाले संवैधानिक नुस्खे के अनुपालन के लिए नियुक्त किया गया है। यह एनजेएसी का पालन करने के लिए बाध्य है। न्यायिक फैसले इसे निरस्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि संसदीय संप्रभुता को कार्यपालिका या न्यायपालिका को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

न्यायपालिका हमारे कामों में कर रही हस्तक्षेप: मुख्यमंत्री

सम्मेलन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि न्यायपालिका हमारे कामों में हस्तक्षेप कर रही है। विधायिका के कई बार न्यायपालिका से मतभेद होते हैं। इंदिरा गांधी ने प्रिवी पर्स खत्म किए थे। इसे ज्यूडिशियरी ने रद्द कर दिया था। बाद में बैंकों के राष्ट्रीयकरण से लेकर उनके सब फैसलों के पक्ष में जजमेंट आए। गहलोत ने कहा कि हमें लोकतंत्र को और मजबूत करने का संकल्प लेकर भारतीय संविधान की रक्षा करनी होगी। गहलोत ने कहा कि हम सभी ने लोकतंत्र को मजबूत बनाने का कार्य किया है, इसी से ही न्यायपालिका स्वतंत्र है।

शक्तियों में संतुलन बनाए न्यायपालिका: लोकसभा अध्यक्ष

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कानून निर्माण में लगने वाले समय में आ रही कमी व जल्दी-जल्दी कानून पारित होने पर चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने कहा कि आजादी के 75 साल बाद भी 'हमें सदन में शालीनता और गरिमा को लेकर चर्चा करनी पड़ रही है, जो चिंतन का विषय है। संविधान की भावनाओं के अनुरूप अपेक्षित है कि विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे का परस्पर सम्मान करें। संविधान ने हमारी जो मर्यादाएं तय की हैं, उनका हम पालन करें। न्यायपालिका से उम्मीद की जाती है कि जो उनको संवैधानिक अधिकार दिया है, उसका उपयोग करें। साथ ही, अपनी शक्तियों का संतुलन भी बनाए। हमारे सदनों के अध्यक्ष यही चाहते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष लाचार: जोशी

विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.सीपी जोशी ने कहा कि कानून में संशोधन किया जाना चाहिए और सदन की बैठकों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए ताकि कार्यपालिका की समीक्षा बेहतर तरीके से की जा सके। मुझे गलत मत समझिए, लेकिन हम कार्यपालिका की तानाशाही से शासित हैं। विधानसभा अध्यक्ष लाचार हैं और रेफरी की तरह हैं, जिनका काम सिर्फ यह देखने तक सीमित है कि सदन सुचारू रूप से चलता रहे।

यूथ कांग्रेस में मेंबरशिप अभियान शुरू

यूथ कांग्रेस की नई कार्यकारिणी जल्द, 27 फरवरी तक वोटिंग

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में यूथ कांग्रेस में नई कार्यकारिणी के लिए चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विधानसभा चुनावों के लिहाज से यूथ कांग्रेस के ये चुनाव महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस में चल रही गुटबाजी का असर यूथ कांग्रेस के चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। चुनावों के लिए बुधवार से मेंबरशिप अभियान शुरू हुआ। प्रदेशाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार 12 जनवरी से 18 जनवरी तक नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। यूथ कांग्रेस की मेम्बरशिप और चुनाव की पूरी प्रक्रिया इस बार ऑनलाइन होगी, जिसमें 28 जनवरी से 27 फरवरी तक मेम्बरशिप और वोटिंग की प्रक्रिया होगी। इससे पहले 19 जनवरी तक आपत्ति प्रक्रिया होगी। इसके बाद 20 और 21 जनवरी को नामांकनों की छंटनी होगी। वहीं 22 जनवरी को नामांकनों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी।

चिंतन शिविर के फैसलों के अनुसार होगा चुनाव

यूथ कांग्रेस के चुनावों में इस बार उदयपुर में हुए चिंतन शिविर के फैसलों को शामिल किया गया है। इसके अनुसार एक पद एक व्यक्ति का सिद्धांत लागू करते हुए चुनावों में नामांकन पत्र भरे जाएंगे। वहीं इस बार यूथ कांग्रेस में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाई गई है। प्रदेश स्तर पर महिला कोटे से उपाध्यक्ष रखा गया है। इसके अलावा महासचिव के 11 पद महिलाओं के होंगे। कुल मिलाकर प्रदेशाध्यक्ष की कार्यकारिणी में 9 सदस्य, प्रदेश महासचिव की कार्यकारिणी में 45 सदस्य होंगे। वहीं जिला और विधानसभा अध्यक्ष स्तर की कार्यकारिणी में 25-25 सदस्य होंगे। प्रक्रिया में शुल्क प्रावधान में सदस्यता शुल्क 50 रुपए रखा गया है। विधानसभा स्तर पर नामांकन शुल्क 250 रुपए, प्रदेश स्तर पर नामांकन शुल्क 4 हजार और 7 हजार रुपए रखा गया है।

कार्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टरों का किया सम्मान

बजट में दंत चिकित्सा पर रहेगा विशेष फोकस: मुख्यमंत्री गहलोत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। एसएमएस मेडिकल कॉलेज में राजस्थान स्टेट डेंटल काउंसिल द्वारा राष्ट्रीय दंत चिकित्सक प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने स्वास्थ्य जागरूकता के साथ दंत चिकित्सा के महत्व की जानकारी दी। गहलोत ने कहा कि दंत चिकित्सा के महत्व को देखते हुए आने वाले बजट में दंत चिकित्सा से संबंधित सभी मांगों का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों और राजस्थान स्टेट डेंटल काउंसिल के वरिष्ठ सदस्यों को सम्मानित किया। उन्होंने दंत चिकित्सा की नैतिक पुस्तिका (कोड ऑफ एथिक्स फॉर डेंटल प्रेक्टिस) के डिजिटल संस्करण का विमोचन भी किया। स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि सरकार की योजनाओं से आमजन को राहत मिली है। इस अवसर पर आरयूएचएस के वाइस चांसलर डॉ. सुधीर भण्डारी, विधायक लाखन सिंह, स्टेट डेंटल काउंसिल के अध्यक्ष डॉ. विकास जैफ व दंत चिकित्सक मौजूद रहे।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में राजस्थान मॉडल स्टेट

गहलोत ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से राजस्थान मॉडल स्टेट बनकर उभरा है।आमजन को स्वास्थ्य बीमा देने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश के 90 प्रतिशत लोगों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत कवर किया गया है, जबकि देश में मात्र 41 प्रतिशत लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा है। चिरंजीवी योजना द्वारा 10 लाख तक निःशुल्क इलाज और 5 लाख दुर्घटना बीमा कवर दिया जा रहा है। प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का वृहद तंत्र विकसित किया जा रहा है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हो सके

आईपीडी टावर का किया दौरा

कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सवाई मानसिंह अस्पताल में बन रहे आईपीडी टावर भी पहुंचे और टावर के निर्माण से जुड़ी जानकारी ली ।आईपीडी टावर के आर्किटेक्ट अनूप बरतरिया एवं जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त रवि जैन ने मुख्यमंत्री को आईपीडी टावर के निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में अवगत करवाया। सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार काफी अच्छा काम कर रही है और सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के कारण आज हर व्यक्ति को इलाज उपलब्ध हो पा रहा है।

बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी में भारतीय जनता पार्टी

बैलगाड़ी और ट्रक में भरकर विधानसभा ले जाएंगे शिकायतें

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जनता की शिकायतों को लेकर भाजपा प्रदेश कांग्रेस सरकार को घेरने की तैयारी कर रही हैं। आगामी विधानसभा सत्र के दौरान इस आंदोलन को लेकर प्रदेश भाजपा रणनीति बनाने में जुट गई है। इसके अनुसार सभी विधानसभाओं से मिली करीब 17 लाख शिकायतों को लेकर भाजपा के कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव करेंगे। इसमें हर विधानसभा क्षेत्र में चुने हुए जनप्रतिनिधियों से शिकायतों को लेकर जवाब मांगेंगे। भाजपा से जुड़े पदाधिकारियों का दावा है कि कांग्रेस के 4 साल के शासनकाल के दौरान किए गए भाजपा के सभी आंदोलनों में से यह अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन होगा। इसमें बैलगाड़ी और ट्रक में भरकर शिकायतों को विधानसभा तक ले जाया जाएगा और वहां विधानसभा सदस्यों को उनके क्षेत्र की जनता की शिकायतों के संबंध में पूछा जाएगा कि जनता की समस्याओं का कब समाधान होगा।

यहां से आई शिकयत

प्रदेश भाजपा की ओर से गहलोत सरकार के 4 साल पूरे होने पर 200 विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश यात्रा निकाली गई। सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र को छोड़ बाकी सभी 199 विधानसभा क्षेत्रों में यह जन आक्रोश यात्रा 14 दिसंबर को समाप्त हो गई। अब प्रदेशभर में जनाक्रोश सभाएं जारी हैं। इसी के दौरान भाजपा की आरे से रखे गए बॉक्स में यह शिकायतें आई हैं। इसमें जनता की दैनिक आवश्यकत्ताओं, रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़क, सरकारी अधिकारियों के नहीं सुनने और भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें शामिल हैं।

हर विधानसभा क्षेत्र की शिकायतों का अलग वाहन

भाजपा की रणनीति के अनुसार विधानसभा क्षेत्र वार शिकायतों का डाटा तैयार किया जा रहा है। हर विधानसभा क्षेत्र के अनुसार इस प्रदर्शन के लिए एक लोडिंग वाहन जिसमें ट्रक या फिर बैलगाड़ी होगी। जिस पर विधानसभा क्षेत्र का नाम लिखा होगा। इस दौरान मुख्य शिकायतों के विषयों का बैनर बनाकर विधानसभा क्षेत्र से मिलने वाली शिकायतों की संख्या को ट्रक या बैलगाड़ी में भरकर उस विधायक को दिया जाएगा, जिसके क्षेत्र की वह शिकायत हैं। ऐसे में भाजपा तैयारी कर रही है कि सभी विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी जन समस्याओं को लेकर सरकार को घेरा जाए।

"जनाक्रोश रैली में मिली शिकायतों को लेकर हम अब तक सबसे बड़ा आंदोलन करेंगे। इस प्रदर्शन से सरकार को घेरा जाएगा। साथ ही जनता की शिकायतों को बैलगाड़ी और ट्रक में भरकर सरकार के प्रतिनिधियों तक पहुंचाया जाएगा। यह आंदोलन कब होगा, इसको लेकर जल्द ही तारीख और समय का ऐलान किया जाएगा।

अरुण सिंह
राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश प्रभारी भाजपा

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सवाई माधोपुर दौरा

राजस्थान जैसी योजनाएं पूरे देश में कहीं भी नहीं: मुख्यमंत्री गहलोत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं पूरे देश में कहीं भी नहीं है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 10 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार, 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा और किडनी, हार्ट, सहित अन्य ट्रांसप्लांट का सारा खर्च राज्य सरकार वहन कर रही है। चिकित्सा में ऐसी सुविधा देने में राज्य अग्रणी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवीय दृष्टि से ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को पुनः लागू करना, उड़ान योजना में प्रतिमाह निःशुल्क 12 सैनेटरी नैपकिन का वितरण, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना, महात्मा गांधी नरेगा में अतिरिक्त 25 दिन का कार्य, सामाजिक सुरक्षा के तहत लगभग 1 करोड़ बुजुर्गों, विधवाओं और निःशक्तजनों को पेंशन, इंदिरा रसोई योजना, अनिवार्य एफआईआर सहित विभिन्न योजनाएं व अभियान सिर्फ राजस्थान में संचालित है।

राज्य सरकार ने किए ऐतिहासिक कार्य

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि शिवानंद जी महाराज का सम्पूर्ण जीवन सामाजिक बुराइयों को दूर करने में रहा। वहीं, राज्य सरकार द्वारा हर जिले में मेडिकल, नर्सिंग कॉलेज सहित जनकल्याण में ऐतिहासिक कार्य हुए है। सार्वजनिक निर्माण मंत्री एवं प्रभारी मंत्री भजन लाल जाटव ने कहा कि जिले में 378 सड़क कार्यों के लिए लगभग 758 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की है।

अभी तक दी 1.35 लाख नौकरियां

उन्होंने कहा कि अभी तक 1.35 लाख नौकरियां दी गई, करीब 1.25 लाख प्रक्रियाधीन है। एक लाख नौकरियों की घोषणा भी की है। राज्य रोजगार देने में भी अग्रणी बन गया है। स्वामी शिवानंद महाराज जी के 15वें निर्वाण दिवस समारोह में भाग लेने सवाई माधोपुर पहुंचे गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राज्य की योजनाओं को आगामी बजट में और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। हर वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को राजस्थान जैसी योजनाएं पूरे देश में लागू करके आमजन को संबल प्रदान करना चाहिए। महात्मा गांधी नरेगा, शिक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार की तरह केंद्र सरकार को स्वास्थ्य का अधिकार भी देश में लागू करना चाहिए। गहलोत ने समारोह में स्वामी नित्यानंद महाराज जी का आशीर्वाद लिया। समारोह से पहले स्वामी शिवानंद महाराज जी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली के लिए कामना की।

एक नज़र

रिश्वत लेते पकड़ी गई महिला पटवारी को भेजा जेल

मां को हिरासत में देख बेटी का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

हिलव्यू समाचार

अजमेर। रिश्वत लेते अजमेर एसीबी के हत्थे चढ़ी महिला पटवारी दर्शना सबल को मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने दर्शना को जेल भेजने के आदेश दिए। वहीं दर्शना की तीन साल की बेटी यह दूरी सहन नहीं कर पा रही थी। वह बुरी तरह से कोर्ट में रो रही थी। उसके परिजन उसे चुप करवा रहे थे लेकिन मां को पुलिस हिरासत में देखकर बेटी का बुरा हाल हो गया। दर्शना आज भी मीडिया के कैमरे से खुद के चेहरे को छिपाती रही। एसीबी के सहायक निदेशक सत्यनारायण चितारा ने बताया कि मोहन रावत ने एसीबी को रिपोर्ट दी थी। जिसमें बताया कि खानपुरा की पटवारी दर्शना सबल उसके पिता की मृत्यु के बाद उनके नामांतरण खोलने के नाम पर रिश्वत राशि की डिमांड कर रही है। जिस पर एसीबी की सीआई मीरा बेनीवाल ने वैरीफिकेशन करवाया जिसमें दर्शना ने 2 हजार रुपए प्राप्त किए। इसके बाद 8 हजार रुपए के रंग लगे नोट के साथ दर्शना को गिरफ्तार किया गया। दर्शना सबल को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए हैं।

पति बैंक में है मैनेजर

एसीबी के अधिकारिक सूत्रों की मानें तो पटवारी दर्शना सबल के पति अभिषेक बैंक में मैनेजर हैं और इनके तीन साल की बेटी भी है। मां से दूरी होने के कारण बेटी खासा परेशान है। न्यायालय में दर्शना की पेशी के दौरान उसकी बेटी रोती बिलखती हुई नजर आ रही थी और उसका बुरा हाल था। दर्शना की रात भी सिविल लाइन थाने में गुजरी। वहीं अब 24 जनवरी तक के लिए न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए हैं।

मार्च में होगी प्रदेश की पहली क्रूज सेवा की शुरुआत

हिलव्यू समाचार

अजमेर। राजस्थान में जल्द ही क्रूज सेवा शुरू होने जा रही है। यह सेवा सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह और पुष्कर के ब्रह्मा मंदिर के लिए शुरू होगी। बता दें कि यह क्रूज आनासागर झील में पहले से चलने वाली नावों से अलग मार्ग पर संचालित की जाएगी। वहीं इसके टिकट की दरें नगर निगम की स्वीकृति के बाद ही तय की जाएगी। खास बात यह है कि यह राजस्थान की पहली क्रूज सेवा होगी। अजमेर की आना सागर झील में चलाया जाने वाला यह जहाज राजस्थान में क्रूज सेवा की शुरुआत होगी।

क्रूज सेवा संचालित करने पर नगर निगम को हर साल होगी 66.5 लाख की आय

क्रूज की सेवा संचालित करने को लेकर अजमेर नगर निगम के एक अधिकारी ने कहा कि क्रूज सेवा मार्च के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है। बता दें कि इसके लिए पिछले साल निर्माण टेंडर जारी किया गया था, यह क्रूज फरवरी माह तक बनकर तैयार हो जाएगा। वहीं क्रूज सेवा से नगर निगम को हर साल 66.5 लाख रुपए की इनकम होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जहाज पर होंगी ये सेवाएं उपलब्ध

पर्यटकों के लिए दिलचस्प बात यह है कि इस क्रूज में एक रेस्टोरेंट भी उपलब्ध होगा, जिसमें लोग बर्थडे पार्टी और अन्य समारोहों के लिए इस जहाज की बुकिंग करवा सकेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि इसकी शुरुआत मार्च के महीने से होगी। इस डबल डेकर क्रूज में एक बार में कुल 150 यात्री सफर कर सकेंगे। एक साथ 1500 लोगों को ले जाने की क्षमता वाला यह 'डबल डेकर क्रूज' पर्यटकों के लिए आकर्षण का नया केंद्र होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस तरह की पहल की गई है।

मेहंदीपुर बालाजी में ब्लाइंड मर्डर का किया पुलिस ने खुलासा

रेप का विरोध करने पर हत्या

हिलव्यू समाचार

दौसा। मेहंदीपुर बालाजी पुलिस ने 5 दिन पहले मेन मार्केट में स्थित मुलकराज धर्मशाला में हुए युवती के ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर दिया है। लड़कियों और महिलाओं की तस्करी करने वाली अंतर राज्यीय गैंग के दो सदस्यों को भी गिरफ्तार करने में पुलिस ने कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ खैर सब्जी मंडी इलाके के निवासी आरोपी पवन कुमार उर्फ अजय शर्मा पुत्र सतवीर (42) और उसकी महिला मित्र को गिरफ्तार किया है। जिस किरण उर्फ फूलमती यादव (42) को गिरफ्तार किया गया है, वह कृपाशंकर नाम के व्यक्ति की पत्नी है। वह उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ जिले के जलालपुर की निवासी है।

दौसा एसपी संजीव नैन ने बताया कि 22 साल की युवती आकांक्षा उर्फ शोभी देवल घरवालों से नाराज होकर 31 दिसंबर को घर से निकल गई थी। इधर-उधर भटकने के बाद 2 जनवरी की सुबह मथुरा जंक्शन के वेटिंग हॉल में बैठी हुई थी। आरोपी अजय उर्फ पवन और किरण यादव ने उससे बातें कीं और उसकी परिस्थितियों का फायदा उठाकर विश्वास में ले लिया।

बोली से हुई युवती की पहचान

धर्मशाला के मैनेजर ने मृतक युवती और उसके साथ आए व्यक्तियों की बोली यूपी के मथुरा और आगरा जैसी होना बताया। इस पर पुलिस की एक-एक टीम मथुरा, आगरा, अलीगढ़ और हाथरस भेजी गई। पुलिसिया पड़ताल में पता चला कि बरेली के थाना कोतवाली में 2 जनवरी को एक लड़की की गुमशुदगी दर्ज हुई थी। 31 दिसंबर को घर से नाराज होकर वह कहीं चली गई थी। परिजनों ने फोटो और शव देख कर मृतक युवती की पहचान आकांक्षा उर्फ शोभी देवल (22) निवासी बड़ागांव बरेली के रूप में की।

उत्तर प्रदेश जाकर पुलिस ने पकड़ा हत्यारों को

डेड बॉडी की शिनाख्त होने पर आधार कार्ड के आधार पर एक टीम अलीगढ़ पहुंची और वहां लड़कियों और महिलाओं की खरीद फरोख्त से जुड़े लोगों की जानकारी हासिल की। खैर इलाके में कमरा लेकर रह रहे व्यक्ति डॉ अजय और वीरेंद्र टीम को संदिग्ध लगे। अजय का नाम ही पवन शर्मा है। टीम को पता लगा कि अजय और उसकी महिला मित्र किरण किसी लड़की को लेकर मथुरा से निकले हैं। इस सूचना पर आरोपी को पकड़ने के कई कोशिशें की गईं, लेकिन हर बार वह बच निकला। आखिर सोमवार को वृंदावन के छटीकरा चौराहे से टीम ने पवन को और फिर उसकी सूचना पर महवा के पास नौगांवा में हेम सिंह राजपूत के घर में रह रही किरण को भी पकड़ लिया।

दुष्कर्म के आरोपी को सुनाई बीस साल की सजा

हिलव्यू समाचार

अलवर। पोक्सो अदालत-1 ने दुष्कर्म के एक आरोपी को 20 साल की सजा और एक लाख 11 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक रोशन दीन खान ने बताया कि 8 फरवरी 2021 को भिवाड़ी में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें अलवर के बड़ौदामेव निवासी नवीन शर्मा ने लड़की को बताया कि वो सीबीआई अफसर है। आरोपी ने मौका देखकर लड़की नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया और अपने साथ ले गया तथा दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में 13 गवाहों के बयान कराए। उसके बाद अदालत के विशिष्ट न्यायाधीश अनूप पाठक ने आरोपी नवीन शर्मा को विभिन्न धाराओं में 20 साल की सजा और अर्थदंड से दंडित किया है।

'राहुल को किसानों को मुंह दिखाने का भी अधिकार नहीं, भूल गए वादों को'

हिलव्यू समाचार

कोटा। भाजपा की प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री विजया रहाटकर ने कहा है कि राजस्थान की पवित्र भूमि पर राहुल गांधी को पैर रखने का भी अधिकार नहीं था, उन्होंने यहीं पर 1 से 10 तक गिनती गिन कर के किसान कर्ज माफी की घोषणा की थी, जो कि अभी तक पूरी नहीं हुई है। उन्हें राजस्थान के किसानों को अपना मुंह दिखाने का भी अधिकार नहीं है, क्योंकि उनकी की गई किसान कर्ज माफी की घोषणा अभी तक पूरी नहीं हुई है। भाजपा की प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री विजया रहाटकर ने आज मीडिया से बात करते हुए बताया कि राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार पूरी तरह फैल चुकी है। कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग बेहद निराश है। राज्य सरकार के पास युवाओं के लिए कहीं कोई योजना नहीं है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थियों के सवाल के दिए जवाब, कहा...

आज दिन खराब है तो कल की सोचो, सफलता चूमेगी कदम

हिलव्यू समाचार

कोटा। यहां युवा संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। आप अपने आपको मोटिवेट करो, सफलता आपके कदमों को चूमेगी। यदि आज का दिन खराब है तो कल की सोचो, कल का दिन अवश्य सफलता का होगा। केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न राज्यों से आए विद्यार्थियों को देखकर कोटा को मिनी इंडिया से संबोधित किया। एलन कैरियर इंस्टिट्यूट द्वारा जवाहर नगर स्थित समुन्नत ऑडिटोरियम में युवा संवाद कार्यक्रम में एक छात्रा अपाला मिश्रा ने उनसे कहा कि उसके जीवन में अप्स-डाउन चल रहे हैं। कभी कॉन्फिडेंस लो हो जाता है तो कभी लगता है कि सफलता मिलेगी या नहीं। इस पर वित्त मंत्री ने कहा कि स्वयं को मोटिवेट करो और मेहनत करते रहो। कभी निराश मत हो। सफलता जरूर मिलेगी। आज का दिन खराब गया तो उसकी चिंता मत करो। कल का दिन अवश्य अच्छा जाएगा।

देश में रोजगार की इतनी कमी क्यों?

एक अन्य विद्यार्थी ने वित्त मंत्री से पूछा कि देश में रोजगार की इतनी कमी क्यों है। इस पर निर्मला सीतारामन ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में हो, वहां अपना फोकस रखो और अपने लक्ष्य को प्राप्त करो। सफलता मिलेगी तो निश्चित रूप से आप को रोजगार मिलेगा। स्टार्टअप व बिजनेस से संबंधित प्रश्न के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार इसके लिए बहुत सारी सुविधाएं दे रही है, लेकिन यह काफी नहीं है। इसमें राज्य सरकार की भी जिम्मेदारी होती है। केंद्र सरकार ने बहुत सारे कार्यक्रम चला रखे हैं, जिससे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

शहीदों के बच्चों का किया सम्मान

कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी शिरकत की। प्रारंभ में एलन के निदेशक गोविंद माहेश्वरी, बृजेश माहेश्वरी, नवीन माहेश्वरी ने वित्त मंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष बिरला का स्वागत किया। वित्त मंत्री ने शहीद परिवाराके के छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया।

कामयाब होने के बताए सूत्र

सीतारामन रविवार को एक दिवसीय दौरे पर सुबह कोटा पहुंची और उन्होंने कोटा में कोचिंग विद्यार्थियों से खुले दिल से संवाद किया। साथ ही कैसे जीवन में कामयाब होना है, इसके सूत्र भी बताए। उन्होंने संवाद के दौरान सफलता का उदाहरण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का दिया तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। केन्द्रीय मंत्री से आईआईटी, नीट समेत अन्य संकाय के छात्र-छात्राओं से संवाद किया। केन्द्रीय मंत्री ने एक शिक्षक की तरह आत्मीयता से सवालों का जवाब देकर दिल जीत लिया।

काम की बात

सांसद ने विधायक और DSP पर लगाए आरोप

जयपुर। भाजपा सांसद बालकनाथ मंगलवार को जयपुर पहुंचे। जहां पर उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय मे मीडिया से बातचीत की। इस दौरान सांसद ने बहरोड़ विधायक बलजीत यादव और अलवर के डीएसपी आनंद राव पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विधायक बलजीत यादव बहुत ही कमजोर दिल के आदमी हैं। कभी मैं उसके सामने आ गया, तो उनका हार्ट फेल हो जाएगा। विधायक जो मुझ पर आरोप लगाते हैं ऐसे लोग कुछ भी बोलते रहेंगे, हमें फर्क नहीं पड़ता है। संत समाज सब देख रहा है। उनकी दस पीढ़ियों में कोई विधायक नहीं बन पाएगा। वहीं सांसद ने डीएसपी आनंद राव को लेकर कहा कि डीएसपी खुद दलाल है और राजस्थान पुलिस पर धब्बा हैं।

गैंगरेप के मामले में विधायक का बेटा दिलीप मीणा गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
जयपुर। अलवर जिले की राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक जौहरी लाल मीणा के बेटे दिलीप मीणा को एक नाबालिग के साथ गैंगरेप के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई पॉक्सो एक्ट में एक निचली अदालत के निर्देश पर की गई।। दिलीप 6 महीने से फरार था। दौसा की मंडावर पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दिलीप को क्लीन चिट दे चुकी है।

बीकानेर में ACB की बड़ी कार्रवाई

थानाधिकारी का रीडर रिश्वत लेते गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार
बीकानेर। राजस्थान में लगातार हो रहे भ्रष्टाचार के विरुद्ध एसीबी की टीम पूरी तरह सक्रिय है। बीकानेर जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने सोमवार को नया शहर थाने में ट्रैप की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। बीकानेर एसीबी की टीम ने नया शहर के थानाधिकारी के रीडर को ट्रैप किया है। एसीबी की टीम ने कांस्टेबल बुधराम विश्नोई को 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी एसपी देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि एसीबी ने नया शहर पुलिस थाना में कार्रवाई करते हुए आरोपी रीडर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया हैं। एसीबी के अधिकारियों ने बताया आरोपी ने परिवादी का डोक्यूमेंट वेरिफिकेशन सहित कई काम करना था। जिसकी एवज में आरोपी ने परिवादी से 50 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी।

महिला पटवारी ने ली 8 हजार की रिश्वत

अजमेर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने कार्रवाई करते हुए महिला पटवारी को 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। महिला पटवारी ने विरासत के म्यूटेशन खोलने की एवज में घूस ली थी। पूर्व में भी वैरीफिकेशन के दौरान भी 2 हजार रुपए की रिश्वत राशि पटवारी ले चुकी थी। एसीबी के डीआईजी समीर कुमार सिंह ने बताया कि परिवादी की कृषि भूमि खानपुरा में है। परिवादी पिता के नाम पर म्यूटेशन खोलना चाह रहा था जिसकी परमिशन के लिए पटवारी दर्शना सबल रिश्वत मांग रही थी। रिश्वत राशि नहीं देने पर म्यूटेशन नहीं खोलने की भी धमकी दे रही थी।

भाजपा की जन आक्रोश सभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ बोले...

डोटासरा के वरदहस्त से पनपा परीक्षाओं में चीटिंग का खेल

हिलव्यू समाचार
जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने रीट में चीट सहित अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक के मामले में सीधा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा पर हमला बोला है। राठौड़ ने कहा कि डोटासरा के संरक्षण में कलाम इंस्टीट्यूट चल रहा है, जिसमें मोटी फीस लेकर गारंटी बैच चलाए जाते हैं, पेपर भी दिए जाते हैं। डोटासरा का पूरा कुनबा आरएएस बन गया, कहने का मतलब कांग्रेस शासन में पेपर लीक से लेकर हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। राठौड़ ने कहा कि रीट की चीट सहित दर्जनों से अधिक पेपर लीक के मामले कांग्रेस शासन में हुए, जिनमें राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े लोग शामिल पाए गए, इस स्टडी सर्किल के पेट्रन स्वयं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैं। ऐसी भ्रष्टाचारी और जनविरोधी कांग्रेस सरकार को 2023 में उखाड़ फेंकेगे। कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पूरे राजस्थान में चल रही भाजपा की जन आक्रोश महासभाएं 156 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों में हो चुकी हैं। आगामी दिनों में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में सभाएं होंगी। विधानसभा क्षेत्र के रामपुरा मंडल में भाजपा जन आक्रोश महासभा में सतीश पूनियां, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर भी मौजूद रहे।

राठौड़ ने कहा- पीसीसी चीफ के संरक्षण में चलता है कलाम इंस्टीट्यूट

भाजपा नेताओं के आरोप बेबुनियाद: गुर्जर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव जसवन्त गुर्जर ने आमेर में भाजपा नेताओं की ओर से लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि नेताओं के जो बच्चे पढ़ते हैं, वही अधिकारी-कर्मचारी बनते हैं। कुछ नेताओं ने अपने बच्चों को व्यापारी बनाया है। पिता का प्रयास रहता है कि येन-केन प्रकारेण बच्चे का धंधा चले, जब सत्ता होती है तो वैध और अवैध लाभ परिवार को दिलाते हैं। बच्चों को पढ़ने के संस्कार तो बचपन से मिलते हैं। वह एक शिक्षक के परिवार में ज्यादा पाए जाते हैं। भाजपा के नेताओं को आरोप लगाने से पूर्व स्थिति देखनी चाहिए। उनके अपने परिवारों के बच्चे क्या कर रहे हैं। वह कैसे उन्हें स्थापित करने में रात-दिन एक किए हुए हैं। यह सब जनता के सामने है।

1500 करोड़ के विकास कार्य करवाए

सतीश पूनियां ने कहा कि भाजपा की सरकार में 2013 से 2018 के बीच में आमेर में 1500 करोड़ के विकास कार्य करवाए, जिसमें केन्द्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भाजपा सरकार के जरिए खूब काम हुए। पूनियां ने कहा कि राजस्थान का कोई व्यक्ति नहीं भूल सकता कि करौली, भीलवाड़ा, जोधपुर, उदयपुर सहित तमाम जिलों में जो कांग्रेस शासन में दंगे हुए, उदयपुर का कन्हैयालाल साहू हत्याकांड कोई नहीं भूल सकता, जिनका दिनदहाड़े सिर कलम कर हत्या कर दी गई। कोई नहीं भूल सकता कि कांग्रेस शासन में हिन्दू नववर्ष, रामनवमीं के जुलूसों पर पत्थरबाजी हुई, प्रतिबंध लगाए गए और कोटा में हिजाब के मसले पर अराजक संगठन पीएफआई को रैली करने की अनुमति दी गई।

कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा: अरुण

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने सपोटरा विधानसभा क्षेत्र की जन आक्रोश महासभा में कहा कि कांग्रेस सरकार ने झूठ का सहारा लेकर भोले भाले किसानों को लूटने का काम किया। घोषणा पत्र मे बिजली की दर में बढ़ोतरी न करने का वादा किया, कांग्रेस सरकार ने 9 बार वृद्धि की। अरुण सिंह ने कहा राजस्थान की हालत बहुत खराब है। साधुओं व संतों की हत्याएं, संत विजय दास आत्महत्या करने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजस्थान में कांग्रेस का घड़ा भर चुका है। 16 बार से अधिक भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं, पेपर आउट करने वाले माफिया हैं कांग्रेस की सरकार में। युवाओं के मन में आक्रोश व गुस्सा है, युवा पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। अरुण सिंह ने कहा कांग्रेस का राजस्थान से सूपड़ा साफ होगा। यहां के मंत्री दोषियों को बचाते हैं।

कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन

पार्टी को करेंगे मजबूत, हर ब्लॉक में दौरा करेंगे प्रभारी मंत्री

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस ने फील्ड और चुनाव लड़ने वाले चेहरों पर काम शुरू कर दिया है। 26 जनवरी से शुरू हो रहे भारत जोड़ो अभियान के जरिये प्रदेश के मंत्री, विधायक, पदाधिकारी और प्रभारी बूथ तक जाएंगे।

अभियान को लेकर रविवार को हुई प्रदेश स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, अभियान के प्रभारी सीआर खुंटिया, पीसीसी अध्यक्ष गोविंन्द सिंह डोटासरा सहित मंत्री, विधायक, विधायक प्रत्याशी, पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस दौरान बैठक में पीसीसी अध्यक्ष ने प्रदेश के सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों को दो माह तक हर ब्लॉक में कम से कम एक दौरा करने के निर्देश दिए। बैठक को सम्बोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता गांव-गांव, ढाणी-ढाणी, घर-घर जाकर भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्यों जैसे बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई एवं संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे। दूसरा उद्देश्य राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पर्चे वितरित कर आम जनता को योजनाओं के लाभ से अवगत कराना होगा। तीसरा उद्देश्य केंद्र सरकार की विफलताओं को जन-जन तक पहुंचाना है। इसके लिए ब्लॉक अध्यक्षों को तीन दिन में कन्वीनर नियुक्त करने होंगे।

दो माह में हर दिन सभी की रिपोर्ट केंद्र को भेजूंगा

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के प्रदेश पर्यवेक्षक आर.सी. खूंटिया ने कहा कि एआईसीसी के निर्देश पर राजस्थान में मार्च तक रहूंगा। अभियान में जो नेता शामिल नहीं होगा तो एआईसीसी समझेगी राहुल की यात्रा के साथ नहीं है। हर नेता की रिपोर्ट ऊपर तक भेजूंगा। इस बैठक में जो नहीं पहुंचा, उसकी रिपोर्ट पीसीसी से लूंगा। 20 जनवरी तक मुझे पीसीसी के अभियान की फाइनल प्लानिंग चाहिए। उन्होंने कहा कि नेताओं ने प्रभारियों को मैसेज दिया कि अगर कांग्रेस को बचाना है तो अभियान में 2 महीने काम करना पड़ेगा।

नींद में आ गई मौत, अंगीठी के धुएं से पांच लोगों का घुटा दम

हिलव्यू समाचार
चूरू। प्रदेश में सोमवार को अंगीठी के धुएं से दम घुटने की दो घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। चूरू में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई वहीं बीकानेर में ऐसी ही घटना में पति-पत्नी की मौत हो गई।

रतनगढ़ में गौरीसर गांव में अंगीठी जलाकर सोने के बाद दम घुटने से एक परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई है। घटना के मृतकों में 2 महिला और ढाई साल की मासूम शामिल है जिनकी दम घुटने से मौत हो गई है। घटना के बाद गांव में मातम छा गया है। सूचना मिलते ही रतनगढ़ सीआई सुभाष बिजारणिया पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान सोना देवी (50), गायत्री (25) और तेजस्वनी (2) के रूप में हुई है। वहीं एक 3 महीने के बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद 3 महीने के बच्चे को उसकी ताई और चाचा राजकीय अस्पताल लेकर गए जहां उसका पीआईसीयू वार्ड में इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी देते हुए रतनगढ़ एसआई हरफूल सिंह ने बताया कि रात में अंगीठी जलाकर सोने के दौरान अमरचंद प्रजापत के परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। परिवार रात को अंगीठी जलाकर सोया था, सुबह गेट नहीं खोलने पर घटना का पता चला।

25 एटीएम कार्ड व 1.40 लाख रुपए बरामद

दो महीने में दो करोड़ रुपए निकाले, पुलिस के हत्थे चढ़ा सायबर ठग

हिलव्यू समाचार
अलवर। अरावली विहार पुलिस ने रविवार को एक सायबर ठग को दबोच लिया। पुलिस ने उससे 25 एटीएम कार्ड व 1.40 लाख रुपए बरामद किए। पुलिस ने ठग को पकड़ा उस समय वह एटीएम से रकम निकाल रहा था। एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर फारूक अहमद पुत्र हमीद खान मेव (22) निवासी लाडमका थाना गोपालगढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 25 एटीएम कार्ड एवं 1.40 लाख नकद व एक बाइक बरामद की हैं। आरोपी विभिन्न एटीएम बूथ से करीब 2 करोड़ रुपए तथा पिछले 15 दिन में 20-25 लाख रुपए निकाल चुका है।

अरोपी ने 15 दिन में 25 लाख रुपए atm से निकाले

आरोपी फारूक अहमद के पास से बरामद मोबाईल से जानकारी मिली कि आरोपी पिछले दो माह में इन्ही एटीएम कार्डों से करीब 2 करोड़ रुपए की रकम निकाल चुका है तथा पिछले 15 दिनों में ही 20 से 25 लाख रुपए की राशि निकाली गई है।

पुलिस की रडार पर सायबर ठग

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सूचना के आधार पर कुछ सायबर ठगों को चिन्हित किया गया। इसी दौरान रविवार को अरावली विहार थाने के कांस्टेबल दीन मौहम्मद व मूल चन्द को सूचना मिली कि आज शाम भरतपुर जिले का एक सायबर ठग अलवर शहर में लगे एटीएम मशीनो से पैसे निकालने आने वाला है। इस सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार खींची व सीओ अमित सिंह के सुपरविजन तथा थानाधिकारी जहीर अब्बास के नेतृत्व में टीम गठित कर सम्भावित स्थानो पर नजर रख साइबर्टेक की निगरानी की गई। इसी दौरान हनुमान सर्किल पर लगे एटीएम बूथों के इर्द-गिर्द घूमता सायबर ठग नजर आया। जैसे ही वह एटीएम मशीन से अलग-अलग एटीएम कार्ड से पैसे निकालने लगा, टीम ने मौके पर ही उसे दबोच लिया।

बैंक खाता यूज करने की एवज में देता था कमीशन

आरोपी से पूछताछ में बताया कि भूतका निवासी उसका रिश्तेदार इरफान और उसके साथी साद, ईस्माईल, भोला ऑन लाईन ठगी कर इन खातों में ठगीं की रकम डलवाते हैं। उस रकम को एटीएम से निकाल कमीशन काट कर वह उन्हें देता था।

हाऊसिंग बोर्ड का मुख्यमंत्री जन आवास योजना पर फोकस

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल द्वारा प्रदेश भर में चल रही आवासीय योजनाओं में मुख्यमंत्री जन आवास योजना के आवासों पर काम तेजी से कर रहा है। आवासन आयुक्तपवन अरोड़ा के निर्देश पर विभिन्न योजनाओं को लेकर मंगलवार को मंडल मुख्यालय पर समीक्षा की गई।

मुख्य अभियंता प्रथम के.सी. मीणा ने मंगलवार को आवासन मंडल द्वारा प्रदेश भर में चल रहे निर्माणधीन कार्य और परियोजनाओं की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन आवास योजना में तैयार हो रहे आवासों को प्राथमिकता रखते हुए गुणवत्ता युक्त कार्य किए जाएं।

मीणा ने बैठक के दौरान जयपुर के प्रताप नगर सेक्टर नंबर 28, 26, 3, 8 और सेक्टर 17 में चल रहे निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली व आवश्यकतानुसार निर्देश दिए।

उन्होंने सेक्टर 16 में बन रहे कोचिंग हब की विकास कार्यों का भी जायजा लिया। मुख्य अभियंता ने प्रताप एवेन्यू, प्रताप नगर चौपाटी और मानसरोवर चौपाटी के लैंडस्केप और हॉर्टिकल्चर कार्य के बारे में भी समीक्षा की।

'शाकुंतलम' में सामंथा का अलग अवतार

यशोदा के बाद एक बार फिर से सामंथा रुथ प्रभु स्क्रीन पर अपने नए अवतार के साथ फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाने के लिए बिलकुल तैयार हैं. वह पिछले काफी समय से अपनी माइथो लॉजिकल फिल्म 'शाकुंतलम' को लेकर चर्चा में हैं.

कुछ दिनों पहले ही इस फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आई थी, अब इसका ट्रेलर दर्शकों के सामने आ चुका है. सामंथा की ये तेलुगु फिल्म पैन इंडिया रिलीज होगी. हिंदी में भी मेकर्स ने इस फिल्म को रिलीज करने का फैसला किया है. हाल ही में हिंदी में रिलीज हुए इस छोटे से ट्रेलर ने फैंस और दर्शकों की उत्सुकता को दोगुना कर दिया है.

✦ कालिदास के नाट्य रूपांतरण पर बनी फिल्म 'शाकुंतलम' में शकुंतला को मिलने वाले शाप, प्रेम में मिले छल और उनके जीवन की पीड़ा को बड़े ही अद्भुत तरह से इस छोटे से हिंदी ट्रेलर में दिखाया गया है. इस ट्रेलर की शुरुआत नन्हीं शकुंतला के जन्म के साथ होती है. यह 2 मिनट 52 सेकंड का हिंदी ट्रेलर बेहद शानदार है, जो आपको पलकें नहीं झपकाने देगा. इस ट्रेलर की शुरुआत नन्हीं शकुंतला के जन्म के साथ होती है. सामंथा न सिर्फ खूबसूरती में, बल्कि इस किरदार के साथ पूरी तरह से ट्रेलर में न्याय करती हुई दिखाई दे रही हैं. हालांकि एक तरफ जहां शकुंतला के किरदार में सामंथा बिलकुल परफेक्ट लग रही हैं तो वही दूसरी तरफ साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 6 साल की बेटी अल्लू आरहा भी भले ही ट्रेलर में एक सीन के लिए हों, लेकिन उनकी मासूमियत फैंस को उनकी तारीफ करने पर मजबूर कर देती है. कुछ समय पहले ही रिलीज हुए इस ट्रेलर को देख लोग सामंथा पर खूब प्यारा लुटा रहे हैं.

✦ फिल्म पहले नवंबर 2022 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसके वीएफएक्स और हिंदी रिलीज के चलते रिलीज डेट को बढ़ा दिया गया. अब यह 17 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. तमिल और तेलुगु के अलावा इसे हिंदी में भी इसी दिन रिलीज किया जाएगा. फिल्म का निर्देशन गुणशेखर ने किया है. सामंथा के अपोजिट इस फिल्म में देव मोहन मुख्य भूमिका में हैं.

मजाक उड़ाना आसान, तारीफ करना मुश्किल

बोले अर्जुन कपूर

STAR इंटरव्यू

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर अपनी आगामी मल्टी-स्टारर फिल्म 'कुत्ते' को लेकर जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं. हाल ही में नवभारत से हुई विशेष बातचीत में अभिनेता ने बताया कि फिल्मों का चयन करते समय वो लोगों के टीका-टिप्पणी की परवाह किए बिना अपने दिल की सुनते हैं. अभिनेता ने इस विस्तृत बातचीत के दौरान अपनी इस फिल्म, अपने करिअर और फिल्म इंडस्ट्री समेत कई विषयों पर बातचीत की.

✦ क्या इस प्रकार की फिल्में आपके भीतर के टैलेंट को पूर्ण रूप से दर्शाने में मददगार साबित होती हैं?

मैंने अपने करिअर में कई फिल्मकारों के साथ अनेकों प्रकार की फिल्मों पर काम किया है. मैं किसी एक रूप में बंधकर नहीं रह सकता. मुझे पहले बोला गया था कि मैं रोमांटिक फिल्में न करूं क्योंकि मैं रोमांटिक नहीं लगता, तब मैंने '2 स्टेट्स' साइन की. लोगों ने मुझसे कहा कि तुम एक्शन हीरो हो, 'की एंड का' फिल्म मत करो, तो मैंने वो भी की. कोई भी डायरेक्टर आपको तब कास्ट करता है जब उसे विश्वास होता है कि आप उसके सोचे हुए किरदार को बखूबी निभा पाओगे. मैंने आसमान के विजन को समझकर अपना बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया है.

✦ इस फिल्म को साइन करने की सबसे अहम वजह क्या थी?

जब मैं ये फिल्म साइन करने जा रहा था तो मेरे इर्द-गिर्द के लोगों ने कहा कि इसमें न तो नाच-गाना है, न ही तुम्हारे अपोजिट कोई हीरोइन है. ये फिल्म क्यों कर रहे हो? इसमें बड़ी स्टारकास्ट है और तुम्हें सोलो फिल्म पर फोकस करना चाहिए. लेकिन मैं इन बातों से सहमति नहीं रखता. मैंने कभी ये सोचकर इंडस्ट्री में कदम नहीं रखा कि अपनी फिल्मों में मैं ही हीरो रहूंगा. एक ऑडियंस के रूप में मैं जो देखना पसंद करूंगा, उसी प्रकार की फिल्में मैं एक्टर के रूप करना चाहता हूं. यह फिल्म मुझे कम्युनिटी वाली फील देती है और ये विचित्र जॉनर है जिस पर हमेशा काम नहीं मिलता. इसलिए मैंने कुत्ते की तरह इस प्रोजेक्ट को झपट लिया (हंसते हुए).

✦ आपके परिवार में कई बड़े एक्टर हुए, आप पर उनका कितना प्रभाव रहा है?

मुझे एक्टिंग के अलावा कुछ नहीं आता. मैं 11वीं फैल हूं लेकिन मुझे इतना भरोसा था कि फिल्म इंडस्ट्री में मैं कुछ कर लूंगा. मैंने अपने पिता और चाचा अनिल कपूर को देखकर ही सीखा है. मैं फिल्म सेट पर पला-बढ़ा हूं. मेरे जीवन में इन्फ्लुएंस तो कई चीजों का रहा है. मैं सुभाष घई से लेकर विशाल भारद्वाज का फैन हूं. मेरे परिवार और उसके बाहर भी, हर तरह के कलाकार से मैं प्रेरित रहा हूं. इंडस्ट्री में सैफ अली खान, इरफान खान और अजय देवगन जैसे कुछ बड़े नाम हैं जिनसे मैं काफी प्रभवित हुआ हूं. सैफ एक लाजवाब एक्टर हैं तो अजय एक स्टार के रूप में उभरे हैं, सीरियस फिल्मों से लेकर कॉमेडी तक, हर जॉनर में वो अव्वल रहे हैं. वो ऐसे कलाकार हैं जो अपनी स्टारडम को लेकर काफी सिक्योर हैं और सभी को लेकर चलते हैं.

✦ साल 2022 में कई बड़ी फिल्में फ्लॉप हुई हैं, इस स्थिति पर आपकी प्रतिक्रिया है?

हाल ही में रोहित शेट्टी ने कहा कि हमारी इंडस्ट्री ने शोले से लेकर डीडीएलजे जैसी फिल्में बनाई हैं और वर्षों से लोगों का मनोरंजन किया है. वर्तमान स्थिति की बात करूं तो हम इस बात को स्वीकार करते हैं कि हमसे गलतियां हुई हैं और हम सीख रहे हैं. हम दर्शकों के सुझावों को सुन रहे हैं और केवल इतनी विनती करते हैं कि हमें सीखने का मौका दो. कोविड के बाद दर्शकों का टेस्ट बदला है और हम बदलाव आने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं. हमें सकारात्मक होकर काम करने की जरूरत है. मजाक उड़ाना आसान है लेकिन प्रशंसा करना उतना ही मुश्किल है. इंडस्ट्री को सभी के सपोर्ट की जरूरत है.

आकाश जायसवाल@नवभारत

शाहरुख की 'पठान' का ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आज इंटरनेट पर रिलीज कर दिया गया है. फिल्म में दीपिका पादुकोण और डिंपल कपाड़िया भी हैं. वहीं जॉन अब्राहम यहां निगेटिव रोल में नजर आएंगे.

ट्रेलर में दिखाया गया कि किस प्रकार आतंकी संगठन से जुड़ा जॉन का किरदार भारत में तबाही मचाने में जुटा हुआ है. पठान नाम के एक आर्मी अफसर के किरदार में शाहरुख अपने वतन की रक्षा करते नजर आए. फिल्म का ट्रेलर मारधाड़ और एक्शन से भरपूर है. ये फिल्म अपने गीत 'बेशर्म रंग' को लेकर काफी विवादों में रही है. कई धार्मिक संगठनों ने इस फिल्म का विरोध किया है और इसके बॉयकॉट की मांग भी उठ रही है. विवाद को देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने मीडिया की उपस्थिति में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट न रखते हुए इसे शांतिपूर्वक इंटरनेट पर रिलीज कर दिया.

4 साल बाद SRK का कमबैक

इस फिल्म के साथ शाहरुख करीब 4 साल बाद फिल्मी पर्दे पर अपनी वापसी कर रहे हैं. ऐसे में मीडिया ही नहीं बल्कि अभिनेता के फैंस भी एक ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट की उम्मीद कर रहे थे. जानकारी है कि फिल्म के गानों को लेकर मचे बवाल के बाद इसके निर्माताओं ने इसके ट्रेलर को साधारण ढंग से रिलीज करने का फैसला किया. शाहरुख आखिरी बार 2018 के अंत में रिलीज हुई फिल्म 'जीरो' में नजर आए थे. वही अब उनकी फिल्म 'पठान' फिल्म 25 जनवरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है.

'हसीन दिलरुबा' तापसी

तापसी पन्नू और विक्रांत मेस्सी की फिल्म 'हसीन दिलरुबा' पिछले साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी, जिसमें हर्षवर्धन राणे भी मुख्य भूमिका में थे. इस फिल्म को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था. फिल्म के प्रमोशन के दौरान तापसी ने विक्रांत मेस्सी के फिल्म में लीड एक्टर होने को लेकर एक कमेंट किया था, जिसके बाद इसे मीडिया में खूब सुर्खियां मिली थीं. अब अपने उस कमेंट पर तापसी ने स्पष्टीकरण दिया है और कहा कि उनकी बातों का गलत मतलब निकाला गया था.

तापसी ने कहा कि मेरे जवाब को किसी और तरीके से समझा गया. मैंने जो कहा, वह यह था कि कई फीमेल एक्ट्रेसेस ने यह सवाल पूछा कि हसीन दिलरुबा में एक्टर कौन है लेकिन मैंने यह सवाल नहीं पूछा कि कौन मेल एक्टर काम करेगा. क्योंकि पहले मुझे कास्ट किया गया था, फिर ये रोल विक्रांत के पास गया. 'हसीन दिलरुबा' में मेरा रोल फिल्म का आधार था. अन्य को इस बेस पर चुना गया होगा कि उन्हें लगा होगा कि वो उस रोल के साथ न्याय कर पाएंगे. जैसे हमेशा कास्टिंग होती है, मेन को पहले कास्ट किया जाता है. मुझसे पहले कई एक्ट्रेसेज जानना चाहती थीं कि इस फिल्म में हीरो कौन है? यह पहला सवाल अक्सर पूछा जाता है, क्योंकि फिल्म बजट भी इसी पर निर्धारित किया जाता है कि फिल्म में हीरो कौन है? इसके पहले राजीव मसंद के इंटरव्यू में तापसी ने कहा था कि उन्हें परवाह नहीं थी कि फिल्म में हीरो कौन है. ऐसे ही कुछ सवाल थे, जिसके कारण कितनों ने काम नहीं किया. लोगों का कहना था कि विक्रांत मेस्सी की वजह से उन एक्ट्रेसेस ने फिल्में छोड़ी थीं.

फ्लॉप फिल्म ने फराह को डराया छोड़ दिया था घर से निकलना

कैटरीना कैफ हों या मलाइका अरोड़ा, इस कोरियोग्राफर के इशारे पर आज पूरी फिल्म इंडस्ट्री डांस करती है. बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक आइकॉनिक गाने देने वाली कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान की जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प किस्से हैं.

TV मैजिक

ऐसा ही एक किस्सा है उनकी फिल्म 'तीस मार खां' को लेकर, जिसका गाना 'शीला की जवानी' बजते ही पैर अपने आप थिरकने लगते हैं. ये गाना भले ही सुपरहिट साबित हुआ हो लेकिन फराह खान द्वारा निर्देशित यह फिल्म उनके करिअर की सबसे बड़ी गलती साबित हुई थी.

इस फिल्म को रिलीज हुए भले ही 12 साल हो चुके हैं लेकिन फराह खान को ये फिल्म आज भी अच्छे से याद होगी. फिल्म 'तीस मार खां' फराह के लिए एक बेहद ही खास फिल्म थी, जहां फराह इस फिल्म के गाने को कोरियोग्राफ करने के साथ-साथ इसका निर्देशन भी कर रही थीं, वहीं इस फिल्म की कहानी उनके पति शिरीष कुंदर और देवर अश्मिथ कुंदर द्वारा लिखी गई थी. बड़ा स्टार कास्ट और एक सुपरहिट गाना होने के बावजूद इस फिल्म को ऑडियंस ने बुरी तरह से रिजेक्ट कर दिया था. दिलचस्प बात तो ये है कि जहां एक तरफ ये फिल्म सुपर फ्लॉप साबित हुई थी, वहीं दूसरी तरफ इस फिल्म के गाने 'शीला की जवानी' के लिए फराह को 'फिल्मफेयर फॉर बेस्ट कोरियोग्राफर' अवार्ड से नवाजा गया था. फराह ने तो शायद कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि ये फिल्म इस कदर मात खा जाएगी. इस फिल्म को खरी-खोटी सुनाने में क्रिटिक्स ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी. चारों तरफ सिर्फ फिल्म की बुराई ही हो रही थी. इन सब बातों का फराह पर इतना गहरा असर हुआ कि वह डर से घर के अंदर छिप गई थीं. कई दिनों तक फराह ने अपने घर के बाहर कदम नहीं रखा था. उन्होंने लोगों से मिलना-जुलना और फोन पर बातें करना भी बंद कर दिया था. फराह के मुताबिक, उस वक्त वह अपनी जिंदगी के काफी मुश्किल दौर से गुजर रही थीं.

सास बनीं सहारा

फराह ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह इस कदर डरी हुई थीं वह कि वह बेस्ट कोरियोग्राफर अवार्ड लेने जाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रही थीं. लेकिन कहते हैं न कि इंसान के सबसे मुश्किल समय में उसका परिवार ही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनता है. फराह के साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ. फराह की सास उनकी हिम्मत बनीं और सास के समझाने-बुझाने पर कई दिनों के बाद फराह ने घर से बाहर कदम रखा. कोरियोग्राफी में लोहा मनवाने के बाद फराह ने 2004 में फिल्म निर्देशन का रुख किया था. उन्होंने फिल्म 'मैं हूं ना' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था. 2014 में आई फिल्म 'हैपी न्यू ईयर' फराह की आखिरी निर्देशित फिल्म थी.

फिर आएंगे साथ अनिल-जैकी

पुरानी जोड़ी बड़े पर्दे पर मचाएगी धमाल

बॉलीवुड इंडस्ट्री के दो दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ ने अपनी फिल्मों से लोगों के बीच खास जगह बनाई है. इन दोनों ने एक साथ कई फिल्में की हैं और एंटरटेनमेंट का डबल डोज दिया है. अनिल और जैकी ने करीब 12 फिल्मों में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है. इन दोनों एक्टर्स को आखिरी बार साल 2013 में रिलीज हुई फिल्म 'शूटआउट एट वडाला' में एक साथ देखा गया था.

अब खबर आ रही है कि अनिल और जैकी की करीब एक दशक बाद फिर से जोड़ी बनने वाली है. बॉलीवुड इंडस्ट्री के फिल्ममेकर सुभाष घई के प्रोडक्शन हाउस की अगली फिल्म 'चोर पुलिस' में अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ काम करते हुए दिखाई दे सकते हैं. इस फिल्म को अनीस बज्मी और पट्टू पारेख ने लिखा है. जैकी श्रॉफ से जब फिल्म 'चोर पुलिस' में अनिल कपूर के साथ काम करने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'काश ऐसा होता.' अनिल के साथ जैकी ने अपने बॉन्डिंग को लेकर बोला, 'हमने अपने करिअर की शुरुआत में एक-दूसरे को भाई माना था. मुझे लगता था कि ऐसा इसलिए भी है कि क्योंकि हम दोनों की मूंछें थीं. वह मुझसे एक साल सीनियर हैं, लेकिन उन्होंने ज्यादातर मेरे छोटे भाई की भूमिका निभाई है. असल जिंदगी में मैं उनके छोटे भाई की तरह हूं. मैं कई चीजों पर उनकी सलाह लेता हूं, जैसे मुझे किस तरह की फिल्में करनी चाहिए और देखनी चाहिए. हम दोनों 80 के दशक में को-स्टार्स हैं और आज तक दोस्त हैं.' अनीस बज्मी ने कहा, 'अनिल और जैकी से संपर्क किया गया है. वे दोनों सुभाष घई को उतना ही प्यार करते हैं जितना मैं. मुझे यकीन है कि वे दोनों उनके लिए फिल्म के लिए तैयार हो जाएंगे. उनका हक है और प्यार है. ये वो लोग हैं जो रिश्तों को पहले रखते हैं.

तुनिषा केस में हुई नए शख्स की एंट्री

टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में आए दिन नए खुलासे हो रहे हैं. अब इस केस में नए शख्स की एंट्री हुई है. सुनवाई के दौरान शीजान के वकील ने कोर्ट में अली नाम के शख्स का खुलासा किया है. साथ ही उन्होंने ये बताया कि शीजान से ब्रेकअप के बाद वो अली से बात करने लगी थीं. ये सब सुनने के बाद तुनिषा के वकील और सरकारी पक्ष ने कोर्ट से समय मांगा, इस वजह से अदालत ने केस की सुनवाई टाल दी गई है.

शीजान के वकील ने कहा कि तुनिषा ने शीजान से ब्रेकअप के बाद डेटिंग एप टिंडर जॉइन कर लिया था और वो अली से टिंडर पर मिली थीं. इसके आगे उन्होंने खुलासा किया कि तुनिषा ने सुसाइड करने से पहले 15 मिनट अली से वीडियो कॉल पर बात की थी. अली और तुनिषा की दोस्ती के बारे में उनकी मां को भी पता था. शीजान के वकील का कहना ये भी है कि तुनिषा, शीजान नहीं, बल्कि अली और तुनिषा एक दूसरे के टच में थे.

वहीं तुनिषा की मां वनीता ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था, 'मैं शीजान को बख्शने वाली नहीं हूं. मैंने अपनी बेटी को खो दिया है. मैं यहां रिलेशनशिप समझने के लिए नहीं हूं, मैं यहां न्याय पाने के लिए हूं. शीजान और उनकी पूरी फैमिली इसमें शामिल है. तुनिषा मेरी लाइफ थी. उसने मुझसे कभी कुछ भी नहीं छुपाया. पिछले 3-4 महीने से वो शीजान की फैमिली के ज्यादा क्लोज हो गई थी. शीजान की पूरी फैमिली ने तुनिषा का इस्तेमाल किया है.' तुनिषा ने 24 दिसंबर को शूटिंग के सेट पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी. तुनिषा के खुदकुशी करने के कुछ ही घंटे के बाद उनकी मां की शिकायत पर उनके को-स्टार शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था. शीजान पर खुदकुशी के लिए उकसाने का आरोप लगा है.

UP की फिल्मसिटी से मुंबई का कोई नुकसान नहीं

हिंदी सिनेमा के मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने उत्तर प्रदेश में नई फिल्मसिटी के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की है. उनकी नीतियों का स्वागत करते हुए अख्तर ने कहा, 'यूपी में फिल्म इंडस्ट्री का आना बेहद अच्छी बात है. इससे कई सारी चीजें आसान हो जाएंगी और इससे हमारा कोई नुकसान नहीं है.

फिल्में तो कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क में भी बनती हैं. उसी तरह फिल्में मुंबई और यूपी में बने, इससे किसी का कोई नुकसान नहीं.' उन्होंने कहा कि सरकार को थिएटरों को इंडस्ट्रियल रेंट पर बिजली देनी चाहिए और साथ ही सिनेमाघरों के निर्माण के लिए जमीन पर कम दामों पर मुहैया कराना चाहिए. अख्तर अपनी किताब 'जादुनामा' के लॉन्च इवेंट पर उपस्थित थे जहां उन्होंने मंच ये बातें कही.

हर धर्म का हो अपना सेंसर बोर्ड

हाल ही में बने धर्म सेंसर बोर्ड को लेकर जब अख्तर से प्रश्न किया गया तो उन्होंने कहा, 'हर धर्म का आना एक सेंसर बोर्ड होना चाहिए. मध्यप्रदेश में एक सेंसर बोर्ड है और एक केंद्र में भी हिया. इसमें समस्या क्या है? हमारे यहां 4 महत्वपुर्ण धर्म है और उनका अपना सेंसर बोर्ड होना चाहिए. हो सकता है मौलवी भी फिल्में देखने लगे.' हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' को लेकर नाराज हिंदू संगठनों के विरोध के बाद ज्योतिष पीठ के 45वें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने धर्म सेंसर बोर्ड की स्थापना की जिसमें उन्हें लेकर कुल 10 सदस्यों के शामिल होने की बात कही गई. उन्होंने कहा कि लोगों को धर्म विरोधी और अपमानजनक कंटेंट दिखाने से बचाने के लिए इसका गठन किया गया है.

HPCL में स्नातक अप्रेंटिस ट्रेनी के पद पर भर्ती

Career जोन

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने ग्रेजुएट अपरेंटिस ट्रेनी के 100 पदों के लिए अधिसूचना जारी की है. ये पद मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, इंस्ट्रूमेंटेशन और अन्य के हैं.

14 जनवरी तक कर सकेंगे आवेदन

इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 14 जनवरी 2023 को या उससे पहले एचपीसीएल अपरेंटिस भर्ती 2023 के लिए आवेदन कर सकते हैं. हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड विशाख रिफाइनरी में स्नातक अपरेंटिस प्रशिक्षुओं (इंजीनियरिंग) की नियुक्ति के लिए आयु सीमा 07-01-2023 को न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 25 वर्ष होनी चाहिए. एससी / एसटी के लिए 5 साल की छूट, ओबीसी-एनसी के लिए 3 साल और PwBD इंजीनियरिंग स्नातक के लिए 10 साल की छूट मिलेगी. नियुक्ति के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू है, जो 14 जनवरी 2023 तक जारी रहेगी. इच्छुक उम्मीदवार आखिरी तिथि से पहले आवेदन कर सकते हैं.

स्मार्टफोन में फुल HD प्लस सुपर एमोलेड डिस्प्ले

Gadgets जोन

रियलमी ने अपना नया स्मार्टफोन रियलमी 10 लॉन्च किया है. ये एक 4G फोन है जिसमें 50 मेगापिक्सल का डुअल रियर कैमरा सेटअप दिया गया है. इस फोन को दो वैरिएंट में लॉन्च किया गया है. पहला वैरिएंट 4GB रैम और 64GB स्टोरेज के साथ आता है. वहीं, दूसरा वैरिएंट 8GB रैम और 128 GB स्टोरेज के साथ आता है. फोन में 6.4 इंच का फुल HD प्लस सुपर एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है.फोन में गोरिल्ला ग्लास 5 की प्रोटेक्शन दी गई है.यह फोन MediaTek Helio G99 SoC से लैस है. साथ ही 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा भी दिया गया है. फोन में 5000 mAh की बैटरी दी गई है. यह 33W Super-VOOC फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आता है.

साहित्य जगत

प्रवासी भारतीय सम्मेलन: राष्ट्रपति ने किया 27 भारतवंशियों को सम्मानित

देश को आत्मनिर्भर बनाने में भागीदार बने प्रवासी समुदाय

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को प्रवासी भारतीय समुदाय से आह्वान किया कि वह आजादी की सौवीं वर्षगांठ वाले साल 2047 तक देश को एक आत्मनिर्भर राष्ट्र के तौर पर दुनिया का अगुवा बनाने की यात्रा में सहयात्री बने। मुर्मू ने यहां 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के समापन सत्र में में यह बात कही। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर अलग-अलग क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले 27 भारतवंशियों को प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा। इनमें गुयाना के राष्ट्रपति और सम्मेलन के मुख्य अतिथि मोहम्मद इरफान अली शामिल हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत अगले 25 साल के दौरान सामूहिक परिश्रम, समर्पण और चौतरफा विकास की महत्वाकांक्षी यात्रा में रहने वाला है ताकि हम 2047 तक एक आत्मनिर्भर देश के तौर पर दुनिया की अगुवाई कर सकें।

भारतवंशियों के कौशल, तकनीकी महारत व निवेश से मिलेगी मदद

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतवंशियों की सामूहिक शक्ति, क्षमता, ऊर्जा, अनुभवों, विचारों, ज्ञान, तकनीकी महारत, कारोबारी कौशल और निवेश से आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को साकार करने में खासी मदद मिलेगी। मुर्मू ने कहा कि जी20 की मौजूदा भारतीय अध्यक्षता की थीम एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य दरअसल भारत की वसुधैव कुटुम्बकम् की प्राचीन विचारधारा से प्रेरित है और यह थीम दुनिया के सभी लोगों के उचित व निष्पक्ष विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता दर्शाती है।

100 अरब डॉलर भेजे प्रवासी बेटे-बेटियों ने

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को बताया कि वर्ष 2022 के दौरान भारतवंशियों द्वारा देश में भेजी गई रकम इसके पिछले साल के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर करीब 100 अरब डॉलर पर पहुंच गई। देश के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्होंने ये आंकड़े पेश किए। सीतारमण ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के एक सत्र के दौरान प्रवासी भारतीयों को भारत का वास्तविक राजदूत करार दिया और उनसे अपील की कि जहां तक संभव हो सके, वे भारत में बने उत्पादों और सेवाओं का इस्तेमाल करें ताकि देश के अलग-अलग ब्रांड का दुनिया भर में प्रचार हो सके। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी, डिजिटल तकनीक, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग, दवा निर्माण व अन्य क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों के दबदबे का हवाला देते हुए कहा कि देश ज्ञान और प्रगति का वैश्विक केंद्र बन रहा है।

जोशीमठ में विरोध-प्रदर्शन के बीच दो होटलों को गिराने की तैयारी

एजेंसी

जोशीमठ। उत्तराखंड सरकार ने जोशीमठ में भू-धंसाव से बुरी तरह प्रभावित दो होटलों को मंगलवार को गिराने की तैयारी कर ली, लेकिन संपत्ति मालिकों ने इसका विरोध किया, वहीं खतरा संभावित क्षेत्र से और लोगों को निकाला गया है। इस बीच, भू-धंसाव से प्रभावित मकानों की संख्या बढ़कर 700 से अधिक हो गई है। राज्य सरकार ने सोमवार को 'माउंट व्यू' और 'मालारी इन' होटलों को गिराने का फैसला किया जिनमें हाल में बड़ी दरारें आ गई हैं और दोनों एक-दूसरे की ओर झुक गए हैं। इससे आसपास की इमारतों को खतरा पैदा हो गया है। इलाके में अवरोधक लगा दिए गए हैं और इन होटल तथा आसपास के मकानों में बिजली आपूर्ति रोक दी गई है जिससे करीब 500 घर बिजली के अभाव का सामना कर रहे हैं।

मौके पर पहुंची जेसीबी तो सड़क पर लेट गया होटल का मालिक

राज्य आपदा राहत बल के कर्मी जेसीबी के साथ मौके पर पहुंच गए हैं और लोगों को इन होटल से दूरी बनाने को कहा गया । जब प्रशासन शाम को 'मलारी इन' को गिराने वाला था तो इसके मालिक ठाकुर सिंह विरोध स्वरूप होटल के सामने सड़क पर लेट गए। सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैंने अपने खून पसीने से यह होटल बनाया है। अगर इसे इस तरह गिरा दिया जाएगा तो मेरा क्या होगा। माउंट व्यू होटल के मालिक लालमणि सेमवाल ने भी इसी तरह की चिंता जताते हुए कहा, हमने अपने सारे संसाधन लगाकर यह होटल बनाया। हमने सरकार को नियमित कर अदा किया। कम से कम हमें बद्रीनाथ की तर्ज पर एकमुश्त निपटान योजना के तहत मुआवजा दिया जाना चाहिए।दूसरी ओर अब तक कुल 131 परिवार अस्थायी राहत केंद्रों में पहुंच गए हैं। क्षेत्र में 86 घरों को असुरक्षित चिह्नित किया गया है। जिला प्रशासन ने ऐसे घरों के बाहर लाल निशान लगा दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

उच्चतम न्यायालय ने उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने से उत्पन्न संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के लिये अदालत के हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि स्थिति से निपटने के लिए लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई संस्थाएं हैं और सभी महत्वपूर्ण मामले उसके समक्ष नहीं आने चाहिए। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायाधीश पी. एस. नरसिम्हा की पीठ ने जोशीमठ के अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती द्वारा दायर याचिका को 16 जनवरी को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। वहीं केंद्र ने मंगलवार को जोशीमठ शहर में सूक्ष्म भूकंपीय निगरानी प्रणाली स्थापित करने की घोषणा की। पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह घोषणा यहां आयोजित भूविज्ञान पर भारत- ब्रिटेन कार्यशाला में की। उन्होंने कहा कि यह निगरानी प्रणाली बुधवार को स्थापित कर दी जाएगी।

ओआरओपी पर सुप्रीम आदेश: पूर्व सैनिकों को मिलेगा पेमेंट...

'वन रैंक, वन पेंशन' का बकाया 15 मार्च तक करें भुगतान: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दो महत्वपूर्ण मामलों में सुनवाई की। अदालत की सीजेआई वाली पीठ ने सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनभोगियों को 'वन रैंक-वन पेंशन' (ओआरओपी) योजना के तहत बकाया भुगतान के लिए केंद्र को 15 मार्च तक का समय दिया है। चीफ जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा की एक पीठ ने केंद्र से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बिना किसी विलंब के बकाया राशि का भुगतान सभी पेंशनभोगियों को तुरंत किया जाए। शीर्ष अदालत ने ओआरओपी के बकाया के भुगतान में केंद्र के किसी भी कदम से असंतुष्ट होने की सूरत में न्यायालय ने पूर्व सैनिक संगठन को आवेदन दाखिल करने की छूट दी।

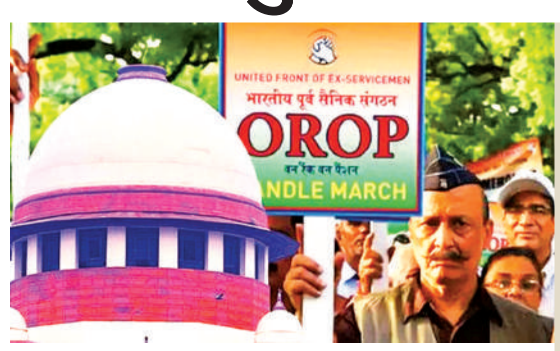

दूसरी बार केंद्र ने मांगा एक्स्ट्रा टाइम

उच्चतम न्यायालय ने दूसरी बार भुगतान करने के लिए केंद्र को समय दिया है। पिछले साल जून में पहली बार शीर्ष अदालत में गणना करने व भुगतान करने के लिए तीन महीने की मोहलत मांगने के बाद केंद्र की तरफ से बकाया राशि के भुगतान के लिए यह दूसरी बार अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया गया।

मंजूरी के लिए रक्षा मंत्रालय को भेजा गया

केंद्र की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) द्वारा सारणीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और तालिकाओं को अंतिम मंजूरी के लिए रक्षा मंत्रालय को भेज दिया गया है। वेंकटरमणी ने कहा, '15 मार्च तक सशस्त्र बलों के 25 लाख पेंशनभोगियों के खातों में पैसे आना शुरू हो जाएंगे।' केंद्र ने सशस्त्र बलों के सभी पात्र पेंशनभोगियों को 'वन रैंक-वन पेंशन' (ओआरओपी) योजना के तहत बकाए के भुगतान के लिए 15 मार्च 2023 तक समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए पिछले महीने शीर्ष कोर्ट का रुख किया था।

जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में कहा- इसे राजनीतिक रंग न दें

सुप्रीम कोर्ट ने जबरन धर्म परिवर्तन मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि इस गंभीर मसले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाए। जबरन धर्म परिवर्तन रोकने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान करने के खिलाफ दाखिल पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा था। कोर्ट ने एजी वेंकटरमानी से कहा है कि वह मामले में कोर्ट का सहयोग करें।

बेंच को आप अलग दिशा में न ले जाएं

इस दौरान तामिलनाडु सरकार के वकील ने कहा कि याचिका राजनीति से प्रेरित है। इस पर कोर्ट ने ऐतराज जताया और कहा कि आपकी परेशानी अलग हो सकती है बेंच को आप अलग दिशा में न ले जाएं। हम देश के हर राज्य को लेकर चिंतित हैं। अगर यह सब आपके राज्य में हो रहा है तो यह गलत है। इस मामले को राजनीतिक रंग न दें। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पंजाब में यात्रा शुरू करने से पहले राहुल ने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

एजेंसी

चंडीगढ़। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के तहत पंजाब में पदयात्रा आरंभ करने से एक दिन पहले मंगलवार को दोपहर में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। वह इस यात्रा का हरियाणा का पड़ाव अंबाला में पूरा करने के बाद हवाई मार्ग से अमृतसर पहुंचे। केसरिया रंग की पगड़ी पहने राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में माथा टेका, अरदास में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। कांग्रेस ने राहुल गांधी की स्वर्ण मंदिर पहुंचने की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया, पंजाब में भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत से पहले मंगलवार को राहुल गांधी ने अमृतसर स्थित धार्मिक एकता के प्रतीक विश्व प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर में माथा टेका और देश की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। राहुल गांधी के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, स्थानीय सांसद गुरजीत सिंह औजला और पार्टी के कई नेता मौजूद थे। पंजाब प्रदेश कांग्रेस के कई नेताओं को मंगलवार सुबह तक इसकी जानकारी नहीं थी कि राहुल गांधी अमृतसर पहुंचने वाले हैं। राहुल गांधी ने हरियाणा की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह प्रदेश में नफरत का बाजार बनाने में लगी है तथा विभिन्न वर्गों के बीच विभाजन पैदा कर रही है।

लोहड़ी पर रहेगा यात्रा का विश्राम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि यात्रा के तहत रोजाना दो चरणों में करीब 25 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। 12 जनवरी को पंजाब में यात्रा सिर्फ सुबह की पारी में होगी और तय दूरी पूरी की जाएगी। इसके बाद लोहड़ी त्योहार के मद्देनजर उसी दिन दोपहर के बाद और फिर 13 जनवरी को पूरे दिन विश्राम रहेगा। किसी का नाम लिए बगैर रमेश ने आरोप लगाया कि देश में भाषा, धर्म, जाति और क्षेत्र के नाम पर नफरत फैलाई जा रही है।

तीन राज्यों में पचास जगह छापे, डीजीएम गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने एफसीआई में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ बुधवार को 'ऑपरेशन कनक' शुरू किया और चंडीगढ़ में डीजीएम स्तर के एक अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में 50 जगहों पर छापेमारी की। एफसीआई में अधिकारियों, चावल मिल मालिकों और बिचौलियों समेत अन्य के कथित गठजोड़ का पता लगाने के लिए छह महीने तक गोपनीय अभियान चलाने के बाद प्राथमिकी में एफसीआई के कार्यकारी निदेशक सुदीप सिंह समेत 74 लोगों को आरोपी बनाया गया है। ये लोग कथित तौर पर भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त थे। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने कहा कि एफसीआई के डीजीएम राजीव कुमार मिश्रा को रविंदर सिंह खेड़ा नाम के व्यक्ति से 50 हजार की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एजेंसी ने कहा कि एफसीआई को ठेके पर दिए गए बेनामी गोदाम चलाने के लिए पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

कांग्रेस अध्यक्ष का बीजेपी पर कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा से समझौते का आरोप

कश्मीरी पंडितों की पीड़ा के लिए भाजपा की धोखा दो नीति जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा की इस्तेमाल करो, त्यागो और धोखा दो वाली नीति कश्मीरी पंडितों की पीड़ा के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने ट्वीट किया, कश्मीरी पंडित कर्मचारी 245 से अधिक दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं, जीवन के अधिकार और नए स्थान पर बसाने की मांग कर रहे हैं। उनका महीनों का वेतन बकाया है, उनकी सुरक्षा के साथ समझौता हो रहा है। ज्ञात रहे कि पिछले साल आतंकवादियों द्वारा राहुल भट्ट की हत्या के बाद काम पर नहीं जाने वाले अधिकतर कश्मीरी पंडित कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। जम्मू कश्मीर प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में यह जानकारी दी थी। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों के एक समूह ने घाटी छोड़ दी और जम्मू में प्रदर्शन किया। उन्होंने मांग की कि जब तक यहां सुरक्षा स्थिति में सुधार नहीं हो जाता, तब तक उन्हें कश्मीर से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाए।

नहीं किया कश्मीर से बाहर तबादला

प्रशासन कश्मीरी पंडितों की अधिकांश मांगों पर गौर करने के लिए सहमत हो गया, लेकिन उसने उन्हें कश्मीर से बाहर स्थानांतरित करने से इनकार कर दिया। प्रशासन ने विरोध करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अपना रुख और सख्त कर लिया तथा काम पर नहीं लौटने वालों का वेतन रोक दिया।

चुनाव हमारा अधिकार, मगर इसके लिए भीख नहीं मांगेंगे: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि चुनाव लोगों का अधिकार है किंतु जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने के लिए कश्मीर के लोग केंद्र से भीख नहीं मांगेंगे। अब्दुल्ला ने अनंतनाग जिले में पत्रकारों से कहा,अगर इस वर्ष चुनाव नहीं कराए जाते हैं, न कराएं जाएं। हम भिखारी नहीं हैं। मैंने बार-बार कहा है कि कश्मीरी भिखारी नहीं हैं। चुनाव हमारा हक है लेकिन हम इस अधिकार के लिए उनसे भीख नहीं मांगेंगे। अगर वह चुनाव कराना चाहते हैं तो अच्छा है, लेकिन नहीं चाहते हैं तो न कराएं। संपत्तियों और सरकारी भूमियों से लोगों को हटाने के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने दावा किया कि जम्मू कश्मीर में चुनाव न कराए जाने का एक कारण यह भी है। इसलिए वह चुनाव नहीं करा रहे हैं। वे लोगों को परेशान करना चाहते हैं। लोगों के ज़ख्मों पर मरहम लगाने के बजाय ऐसा लगता है कि वे घावों को हरा रखना चाहते हैं। भाजपा सरकार जानती है कि चुनी हुई सरकार लोगों के ज़ख्मों को भरेगी जबकि वे कथित रूप से घावों पर नमक-मिर्च रगड़ रहे हैं।

एक नज़र

विश्व हिन्दी दिवस: सम्पर्क साहित्यिक संस्थान में काव्यपाठ का आयोजन

स्त्री हूं जग जीतने के लिए अपने सपनों को वारती हूं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। संपर्क साहित्यिक संस्थान के तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस पर कविता पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला, संस्थान की समन्वयक महासचिव रेनू शब्द मुखर, अध्यक्ष अनिल लढ़ा, संस्थान सचिव अविनाश शर्मा ने किया। संस्थान की वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. आरती भदौरिया, डॉ. नीतू तातेड़, शशि मुंदड़ा, दया भट्ट, आशा शर्मा भी मंचासीन रहीं। डॉ. सूरज माहेश्वरी ने कविता को हिंदी की आत्मा बताते हुए रचनाकारों की विशेषता बताईं। कवयित्रियों ने काव्य पाठ में श्रृंगार, वीर रस, सामाजिक कार्यों, समाज की विसंगतियों, स्त्री की दशा व दिशा का चित्रण किया। समन्वयक महासचिव रेनू शब्द मुखर ने संपर्क साहित्य संस्थान की सफलतम 5 साल की यात्रा साझा की। नीलिमा कालरा ने मैं कुछ कहना चाहती हूं, कोटा से एकता शर्मा ने हम नववर्ष से मनाएं जब डॉ. कमलेश वर्मा ने हर बात भूल जाऊं, डॉ. आरती भदोरिया ने देखना जीत होती है सुनाकर तालियां बटोरी। डॉ.पारूल जैन ने चलो कुछ और बात करते हैं, डॉ. रेखा गुप्ता ने कर्म बनाते हैं सदा लोगों की तकदीर, मोना शुक्ला ने क्षमा ममता की मूरत, दया भट्ट ने संपर्क का आसमान चाहिए माहौल को मदमस्त कर दिया।

थोड़ा सा तुम भी चलना

डॉ. नीतू तातेड़ ने लाल लिपिस्टिक को एक रंग मत मान लेना, हल्द्वानी निवासी ललिता कापड़ी ने एक कदम में चलूं तो थोड़ा सा तुम भी चलना, बापी गुजरात निवासी आरती बजाज ने जीवन की इस भागदौड़ में कुछ पल अपने लिए संजोती हूं ने समा बांध दिया। डॉ. योगिता जोशी ने दे सको तो कुछ मुझे प्रेम का अनुदान दो व जीनस कंवर ने साहित्य मेरा कर्म है, के साथ ही ज्ञानवती सक्सेना ने मैं स्त्री हूं जग जीतने के लिए, अपने सपनों को वारती हूं, सुनाकर सबको तालियां बजाने को विवश कर दिया। भूपेंद्र राणा ने गजल रंगत तेरी जुल्फों की, सीमा लोहिया ने मुझे नहीं चहिए, आशा शर्मा ने ज्योत से ज्योत जलाते चलो ने भी सब को रिझाया। आरती आचार्य ने यह कहानी है जो मैं सब से छुपाती हूं के साथ ही मणिमाला शर्मा की कविता कौन जाने किसको खबर देनी पड़ेगी और शशि मूंदड़ा की कविता सम्यक सोच भी काबिले तारीफ रही। मुख्य अतिथि डॉ अखिल शुक्ला ने कविता को आत्मा का मर्म बताते हुए कहा कि दिल की आवाज होती है कविता।

‘सुबोध’ की छात्राओं को स्वर्ण

जयपुर। हाल ही मे आयोजित 32वें दीक्षांत समारोह में राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालय की छात्रा कोमल मित्तल को ओवरऑल बीएससी तथा भौतिक शास्त्र में दो स्वर्ण पदक मिले। कला स्नातक वर्ग में तनु मंडल ने स्वर्ण पदक हासिल किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी तथा उपप्राचार्या डॉ. इंदु शर्मा ने इस गौरवमयी उपलब्धि के लिए छात्राओं सम्मानित कर बधाई दी।

जिफ विदा... 800 मेकर्स शामिल हुए, 5 दिन में 83 देशों की 282 फिल्मों की हुई स्क्रीनिंग

न्यू फिल्म मेकर्स को मिला मंच

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में 5 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में 83 देशों की 282 फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान देश-दुनिया के निर्माता-निर्देशक एक मंच पर आए। जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का 15वां संस्करण फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ सम्पन्न हुआ। फाउन्डर हनु रोज ने बताया कि कोरोना की दहशत के बाद खिले निर्भय माहौल में इस बार बड़ी संख्या में देश-विदेश के फिल्मकारों और अभिनेताओं अभिनेत्रियों ने शिरकत की और जिफ को एक पारिवारिक आयोजन की संज्ञा देकर इसमें बार बार आने की इच्छा जताई। कोरोना की चीन में फिर से हुई आहट की वजह से आयोजन को लेकर आशंकित थे, लेकिन फिल्मकारों से मिले सुझावों और समर्थन के आधार पर आयोजन में दुनिया भर के फिल्मकारों को आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि इस बार का समारोह पंजाब सरकार के पर्यटन विभाग के सहयोग से आयोजित हुआ।

मानसिक योग थीम पर भी दिखाई गई मूवीज

फिल्मोत्सवों के इतिहास में पहली बार जिफ सिने प्रेमियों के लिए एक अनूठी थीम लाया, जिसका नाम ‘फिल्मों से मानसिक योग’ है। इस दौरान ऑईनोक्स के ऑडी-5 में सुबह 10 से रात 10 बजे तक इस थीम पर ऐसी अनेक फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई, जिन्हें देखकर व्यक्ति के मन मस्तिश्क को सुकून की अनुभूति हुई। समाज और दुनियां में इस समय विभाजन और मानसिक तनाव की स्थिति बढ़ती जा रही है। ऐसे में हम फिल्मों की माध्यम से लोगों को मानसिक योग और सुकून की अनुभूति देने का हमारा प्रयास सफल रहा।

5 हजार सिने प्रेमी हुए शामिल

इस बार 5 दिन में पांच हजार सिने प्रेमियों और 800 फिल्म निर्माता निर्देशकों ने शिरकत की, जो फेस्टिवल के प्रति लोगों की रूचि का परिचायक है। यूनाइटेड किंगडम से आई फिलिप्पा फ्रिस्बी ने बताया, कि जिफ अपने आप में एक अनोखा मंच है जो नई फिल्म मेकर और राइटर को मौका देते हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर से आए वैभव. के. पाठक ने बताया, यहां मित्र की फिल्म स्क्रीनिंग में आए थे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल

621 भारतीय भाषाएं लिए होगा साहित्य का महाकुंभ

जयपुर(हिलव्यू समाचार)। नोबेल प्राइज से सम्मानित अब्दुल रजाक गुरनाह, इंटरनेशनल बुकर प्राइज विजेता गीतांजलिश्री, लेखिका और अनुवादक डेजी रॉकवेल, लेखिका दीप्ति कपूर, बुकर विजेता बेर्नार्दीन एवारिस्तो, लेखक सिद्धार्थ मुखर्जी, बुकर विजेता श्रीलंकाई लेखक शेहान करुनातिलक, गीतकार और लेखक गुलजार, फिल्म मेकर और प्रोड्यूसर ओनीर, जेसीबी प्राइज 2022 के विजेता खालिद जावेद व बारां फारूकी और पद्म विभूषण से सम्मानित शास्त्रीय संगीतकार हरिप्रसाद चौरसिया से जयपुर का साहित्य मंच सरोबार होगा। इसके लिए जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 16वें संस्करण का आयोजन 19 से 23 जनवरी को होटल क्लार्क्स आमेर में होगा। महाकुम्भ में भाषाओं के खूब रंग देखने को मिलेंगे, जिनमें 21 भारतीय और 14 अंतरराष्ट्रीय भाषाएं शामिल होंगी। वक्ताओं की सूची में बड़ी संख्या में राजस्थानी वक्ता शामिल हैं। इसमें सीपी देवल, नंद भरद्वाज, रीमा हूजा, मालचंद तिवारी, संदीप पुरोहित, तृप्ति पांडे, देवराज सिंह, अम्बिका दत्त, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, इरा टाक, अनुकृति उपाध्याय, दिया कुमारी और सीपी जोशी शामिल हैं। टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और फेस्टिवल के प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय ने बताया, 2023 में फोकस जलवायु परिवर्तन, जिओपॉलिटिक्स, रूस-यूक्रेन विवाद, भारत-चीन सम्बन्धों, कृषि और ऊर्जा पर रहेगा। पिछले 15 सालों में फेस्टिवल एक वैश्विक साहित्यिक दीवानगी में बदल गया है, जिसने दुनियाभर के लगभग 5000 वक्ताओं और कलाकारों की मेजबानी की है।

135 लोगों ने किया ब्लड डोनेट

जयपुर। जागृति फाउंडेशन द्वारा विद्याधर नगर स्थित हेरिटेज बाजार सेंट्रल स्पाइन में वार्ड नंबर 21 की पार्षद प्रियंका अग्रवाल के जन्म दिन पर रक्तदान शिविर, निशुल्क होम्योपैथिक शिविर व वृद्धजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिविर में 135 रक्तदाताओं ने ब्लड डोनेट किया। अग्रसेन सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट विद्याधर नगर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर में 200 व्यक्तियों ने चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। महापौर सौम्या गुर्जर, अभिमन्यु सिंह राजवी, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, समाजसेवी सीताराम अग्रवाल, पूर्व पार्षद रिद्ध करण परसरामपुरिया, प्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, महामंत्री मक्खन कांडा, सेन्ट्रल स्पाइन व्यापार परिषद के अध्यक्ष मुकेश बिंवाल, संरक्षक नरेंद्र चौधरी, महेंद्र गोयल, मुकेश जेठवानी, जयपुर हेरिटेज बाजार के महासचिव विजय बच्चानी, राजेंद्र मीणा, महामंत्री भवानी खोरा, विद्याधर नगर थाना प्रभारी वीरेंद्र कुलील, अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य महासभा के अध्यक्ष राजेंद्र मोदी, रामअवतार गुप्ता, डॉक्टर नरेंद्र गरसा, डॉक्टर सर्वेश जोशी, हरिओम जन सेवा समिति के राजेंद्र सदानंद महाराज, समाजसेवी मनीष केडिया, अग्रसेन हॉस्पिटल के अध्यक्ष शिव कुमार गोयल, महामंत्री रामानंद मोदी, प्रदेश वैश्य महासभा के अध्यक्ष प्रकाश गुप्ता, चेयरमैन विनोद गोयल कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सीएम ने किया नशा विरोधी कैलेंडर का विमोचन

जयपुर। नव विकल्प नशामुक्ति संस्थान द्वारा नववर्ष के अवसर पर नशा विरोधी अभियान की शुरुआत की गई। इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नशा विरोधी कैलेंडर का विमोचन किया। संस्थान अध्यक्ष हरीश भूटानी ने बताया कि इन कैलेंडर का वितरण जयपुर के शिक्षण संस्थानों, पुलिस स्टेशन तथा स्लम एरिया में किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी दिया गया। इसमें राज्य सरकार को नशा विरोधी गतिविधियों को और तेजी से बढ़ाने का आग्रह किया गया है।

आवासन मंडल वर्ल्ड बुक रिकॉड्‌र्स में दर्ज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल को बीते तीन वर्ष में ई-बिड सबमिशन और ई-ऑक्शन के जरिए रिकॉर्ड 13 हजार, 583 व्यावसायिक और आवासीय भवन बेचने पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। लंदन की प्रतिष्ठित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स संस्था ने यह सम्मान मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में आयोजित कार्यक्रम में दिया। यहां आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा की ओर से मंडल की वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा ने यह सम्मान प्राप्त किया। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने इस सम्मान का क्रेडिट आवासन मंडल की टीम को दिया। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब मंडल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। पिछले चार वर्षों में मण्डल को कुल 11 अवॉर्ड मिल चुके हैं। इनमें मकान विक्रय में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉड्स, स्कॉच अवॉर्ड-2021, अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेन्सी, नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल द्वारा सम्मान, नेशनल हाउसिंग अवार्ड, आई.बी.सी और ‘स्टार ऑफ गवर्नेंस-गोल्ड अवॉर्ड‘ शामिल हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल भी मंडल की प्रभावी कार्यशैली की कई बार प्रशंसा कर चुके हैं। यही नहीं आवासन मंडल देशभर के मैनेजमेंट गुरुओं के लिए केस स्टडी बना हुआ है। देश के कई राज्य मंडल के मॉडल को अपनाने की तैयारी कर रहे हैं।

कोटा महोत्सव: 3 से 5 फरवरी के बीच होंगे विभिन्न कार्यक्रम

पर्यटकों को लुभाने का प्रयास, लोक नृत्यों से होगा आगाज

हिलव्यू समाचार

जयपुर/कोटा। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे कोटा महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक जिला कलेक्टर ओपी बुनकर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इसमें 3 से 5 फरवरी तक तीन दिवसीय महोत्सव में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को अन्तिम रूप दिया गया। जिला कलेक्टर ने कहा कि कोटा को पर्यटन मानचित्र पर अन्तरराष्ट्रीय पर पहचान बनाने के लिए ऐतिहासिक स्थलों, ईको-टूरिज्म, वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों एवं सांस्कृतिक परम्पराओं को राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय पर पहुंचाने के लिए कोटा महोत्सव कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि कोटा महोत्सव के आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी सक्रियता से भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि कोटा में पिछले चार वर्षों में हुए विकास कार्य पर्यटकों के नए स्थल के रूप में राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाए इसके लिए पर्यटक गतिविधियां प्रतिवर्ष होने से देश-विदेश के पर्यटक आएंगे।

एडवेंचर से करेंगे आकर्षित

जिला कलेक्टर ने बताया कि कोटा महोत्सव में वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों, चम्बल बायेडायवर्सिटी, फ्लॉवर शो, फोटो प्रदर्शनी जैसे आयोजन को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एडवेंचर गतिविधियों के लिए यह क्षेत्र विख्यात रहा है, पर्यटकों को जोड़ने के लिए इनका भी अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन राजकुमार सिंह ने कहा कि सभी विभाग अभी से तैयारी करते हुए आयोजन को सफल बनाएं।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए ये होंगे कार्यक्रम

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए किए जा रहे कोटा महोत्सव में 3 फरवरी को प्रातः 10 बजे बम ढोल रसिया कलाकारों के दल एवं चकरी व सहरिया नृत्य के कलाकारों की प्रस्तुति के साथ उद्घाटन होगा। जिसमें पहली बार सैकड़ों कलाकार एकसाथ प्रस्तुति देकर रिकॉर्ड बनाएंगे। इसमें साफा बांध प्रतियोगिता, दादा-पोता दौड़, रस्सा-कस्सी, मटका दौड़, मूंछ प्रतियोगिता तथा एडवेंचर गतिविधियां महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में आयोजित होंगी। इसी दिवस किशोर सागर की पाल पर फ्लॉवर शो, आर्ट गैलेरी में फोटो प्रदर्शनी, रंगोली, मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित होंगी। 4 फरवरी को अभेड़ा महल में प्रातः 8 बजे नेचर वॉक, महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में प्रातः 9 बजे एडवेंचर गतिविधियां, किशोर सागर तालाब में प्रातः 11 बजे आर्मी बैंड एवं आर्मी वाटर शो, किशोर सागर पाल पर फ्लॉवर शो, आर्ट गैलेरी में फोटो प्रदर्शनी, रंगोली, मेहंदी एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित होंगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां का नहरी क्षेत्र का दौरा, कहा...

जासूसी के लिए पुलिस को लगाया, जनता की सुरक्षा की नहीं कोई गारंटी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। पूनियां ने कहा कि यहां की पुलिस कमजोर हो गई, थाने नीलाम हो गए और राजस्थान के गृहमंत्री के यदि गुमशुदा की तलाश के पोस्टर लगा दें तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं है। पूनियां ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस को अपने विधायकों की जासूसी के लिए तो लगा रखा है, लेकिन राजस्थान की जनता की सुरक्षा के लिए उनकी गारंटी नहीं है। प्रदेश में जंगलराज जैसे हालात हैं। बुधवार को श्रीगंगानगर जिले के विजयनगर और घड़साना में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पूनियां ने जन आक्रोश महासभाओं को संबोधित किया।

सरकार ने गरीब के आंसू नहीं पोंछे

पूनियां ने कहा कि भाजपा की इस जन आक्रोश यात्रा के लिए आप लोगों के बीच में इसलिए आया हूं कि आप 2018 से इस कांग्रेस सरकार को देख रहे हो, 2018 से 2023 तक जिस सरकार ने किसी गरीब के आंसू नहीं पोंछे, उनको हमदर्दी देने का काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हालात ऐसे हैं कि ना पाताल में कोई सुरक्षित है, न आकाश में। साढ़े 8 लाख मुकदमें राजस्थान में पहली बार दर्ज हुए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)